RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः43 , शुक्रवार, 27 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

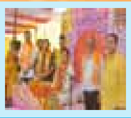
धैर्य और भक्ति से ही मिलता है प्रभु का साक्षात्कारः संत देवव्रत जी महाराज 03

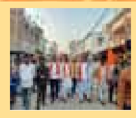
रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा, जय श्रीराम के नारों से गूंजा सुगौली 04

आसान और हेल्दी स्नैक रेसिपी शेयर की श्रुति हासन ने 07

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के जाफराबाद मेट्रो स्टेशन पर अफरा-तफरी

- धमाके जैसी आवाज से मचा हड़कंप, खाली कराई गई ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जाफराबाद मेट्रो स्टेशन पर गुरुवार दोपहर उस वक्त पैनिक स्थिति बन गई जब अचानक सर्कुलर लाइन के पास दो तेज धमाके जैसी आवाजें सुनाई दीं। इसके बाद यात्रियों में घबराहट फैल गई और एहतियात के तौर पर मेट्रो के अंदर तुरंत अनाउंसमेंट किया गया। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मेट्रो ट्रेन को तुरंत खाली कराया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद स्थिति का जायजा लिया गया। कुछ समय तक स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। अधिकारियों ने सतर्कता दिखाते हुए पूरे इलाके की जांच शुरू कर दी और मेट्रो संचालन को थोड़ी देर के लिए रोका गया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है और ट्रेन को खाली करवाकर रवाना कर दिया गया।

होटल-रेस्टोरेंट बिल में अलग से नहीं जोड़ सकेंगे एलपीजी चार्ज

- सरकार बोली- ऐसा किया तो कार्रवाई होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। होटल-रेस्टोरेंट ग्राहकों से 'एलपीजी चार्ज' नहीं ले सकेंगे। केंद्र सरकार ने कहा कि रेस्टोरेंट अपने बिल में खाने की कीमत के अलावा केवल सरकारी टैक्स जोड़ सकेंगे। एलपीजी संकट के बीच सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कहा कि होटल-रेस्टोरेंट को अपनी सभी इनपुट कॉस्ट को मेन्यू में दी गई कीमतों में ही शामिल करना होगा। अगर कोई रेस्टोरेंट गैस की बढ़ती कीमतों या किसी अन्य ऑपरेशनल खर्च का हवाला देकर बिल में अलग से चार्ज

जोड़ता है, तो यह नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

कैफे ने नींबू पानी पर 5 प्रतिशत गैस-क्राइसिस चार्ज वसूला था- बेंगलुरु के एक कैफे ने नींबू पानी के बिल पर 5 प्रतिशत गैस क्राइसिस चार्ज लगाया था। ग्राहक ने दो मिंट लेमोनेड ऑर्डर किए, जिनकी कुल कीमत 358 रुपए थी।

केरल सीएम बोले- राहुल गांधी में कार्यकर्ता जितनी भी समझ नहीं

- हिमंता ने कहा- कांग्रेस की सरकार पाकिस्तान में बनेगी, थरूर बोले- केरल बदलाव चाहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने गुरुवार को कहा- राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस देश में भाजपा की 'बी-टीम' हैं।कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पिनराई के बी टीम वाले बयान को बकवास बताया। थरूर ने कहा- हमें किसी की

बी टीम में कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि हम केरल की ए-टीम हैं। भाजपा और एलडीएफ दोनों नहीं चाहते कि कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आए। केरल के लोग बदलाव चाहते हैं। वहीं, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि कांग्रेस की सरकार भारत में तो नहीं, पाकिस्तान में बन सकती है।

पश्चिम एशिया संकट पर आज मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार आज (27 मार्च, 2026) शाम को राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस से बात करेंगे। इस दौरान पश्चिम एशिया में जारी हालात और उसकी वजह से देश में पैदा हुई परिस्थितियों और उससे निपटने के लिए की जा रही तैयारियों पर चर्चा होने की संभावना है। जानकारी के अनुसार पीएम मोदी के साथ इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल नहीं रहेंगे, क्योंकि वहां आचार संहिता लागू है।

भारत-पाक सीमा पर रामनवमी की धूम

'लव जिहाद' की झांकी ने खींचा ध्यान

गैर नृत्य और जयकारों से राममय हुआ जैसलमेर

जैसलमेर (एजेंसी)। सीमावर्ती जिले जैसलमेर में रामनवमी का पर्व अगाध श्रद्धा, अभूतपूर्व उत्साह और सांस्कृतिक भव्यता के साथ मनाया गया। रेगिस्तान की सुनहरी रेत पर जब 'जय श्री राम' के उद्घोष गूंजे, तो पूरा शहर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। शहीद पूनम सिंह स्टेडियम से निकली विशाल शोभायात्रा ने इस बार न केवल धार्मिकता, बल्कि सामाजिक संदेशों की वजह से भी खूब सुर्खियां बटोरीं।

- **शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में उमड़ा जनसैलाब-** उत्सव का आगाज शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में भगवान रामलला की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। यहां

आयोजित धार्मिक सभा में वक्ताओं ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। सैकड़ों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने आयोजन को भव्य बना दिया।

- **लव जिहाद की झांकी ने दिया कड़ा संदेश-** इस बार शोभायात्रा में धार्मिक प्रसंगों के साथ-साथ समसामयिक मुद्दों को भी जगह दी गई। झांकियों के बीच 'लव जिहाद' के मुद्दे पर आधारित एक विशेष झांकी चर्चा का विषय बनी। इस झांकी के माध्यम से धर्म की प्रधानता पर जोर देते हुए 'लव जिहाद' के कल्चर पर प्रहार किया।

जोधपुर में महिला ने तलवार चलाई,पहलगाम हमले की झांकी दिखी

जोधपुर में रामनवमी के मौके पर शोभायात्रा निकाली गई। इसमें राम दरबार, शिवाजी महाराज, पहलगाम हमले समेत अलग-अलग झाकियां शामिल हुईं। वहीं, महिला ने तलवारबाजी की। इस दौरान शोभायात्रा देखने पहुंचे विदेशी मेहमान भी नाचने लगे। सीएम भजनलाल शर्मा भी शोभायात्रा में शामिल हुए। उन्होंने घंटाघर पर भगवान श्री राम की पूजा की। खास बात ये है कि शोभायात्रा में उत्तर से लेकर दक्षिण की संस्कृति की झलक देखने को मिली। इसमें केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश के कलाकार भी शामिल हुए। इस बार शोभायात्रा में 400 से अधिक झाकियां शामिल की गईं।

नौवमी मां सिद्धिदात्री

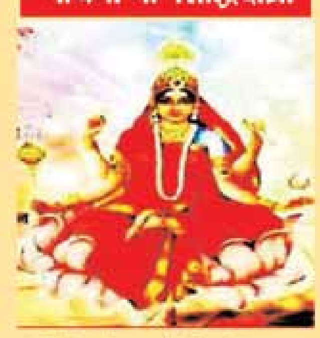

मां सिद्धिदात्री आपको जीवन में अद्भुत सिद्धि, क्षमता प्रदान करती हैं ताकि आप सब कुछ पूर्णता के साथ कर सकें। सिद्धि का क्याअर्थ है। सिद्धि, सम्पूर्णता का अर्थ है विचार आने से पूर्व ही काम का हो जाना। आपके विचारमात्र, से ही, बिना किसी कार्य किये आपकी इच्छा का पूर्ण हो जाना यही सिद्धि है।

युद्ध और खतरनाक मोड़ पर

- होर्मुज पर ताला लगाने वाले ईरानी नौसेना प्रमुख को इस्राइल ने किया ढेर
- 5 शर्तें रखने पर ट्रंप की ईरान को अंतिम चेतावनी
- जल्द सीरियस हो जाओ, पीछे मुड़ने का रास्ता भी नहीं छोड़ेंगे, ईरान ने अमेरिका की शर्तें खारिज की

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट जंग का 27वां दिन था। इस बीच गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरानी वार्ताकार समझौते के लिए विनती कर रहे हैं, और उन्होंने चेतावनी दी है कि समय तेजी से बीत रहा है, पीछे का रास्ता भी नहीं छोड़ेंगे। वहीं ईरान ने ट्रंप की सभी शर्तें खारिज कर दी है। इसीलिए यह समझा जा रहा जंग खतरनाक मोड़ पर पहुँच सकती है।

इजराइल ने ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना चीफ अलिरेजा तंगसीरी को मारने का दावा किया है। इजराइल के रक्षा मंत्री कात्ज ने कहा कि ईरान के बंदर अब्बास इलाके में हुई एयरस्ट्राइक में तंगसीरी मारे गए। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक, तंगसीरी वही कमांडर थे जिन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की प्लानिंग की थी।

ट्रम्प बोले-

ईरान ने सुप्रीम लीडर बनने का ऑफर दिया, मैंने ठुकरा दिया - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि उन्हें ईरान का सुप्रीम लीडर बनने का प्रस्ताव मिला था। लेकिन उन्होंने इस पद को ठुकरा दिया।

ईरान बोला-

ट्रम्प की शर्तों पर जंग खत्म नहीं होगी,सीजफायर प्रस्ताव खारिज,रखी 5 शर्तें - ईरान ने अमेरिका के सीजफायर प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। उसने कहा है कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की शर्तों पर जंग खत्म नहीं करेगा। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका ने मध्यस्थ देशों के जरिए जो प्रस्ताव भेजा, वह धोखा है और जमीनी हकीकत से कटा हुआ है और इसका मकसद सिर्फ दबाव बनाना है। ईरान ने कहा है कि युद्ध का अंत तभी होगा जब उसकी शर्तें पूरी होंगी।

भारत और चार अन्य मित्र देशों को होर्मुज जलमार्ग से यात्रा की ईरान ने अनुमति दी

तेहरान (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी टकराव के बीच, ईरान ने यह घोषणा की है कि वह भारत समेत पांच मित्र देशों के जहाजों पर कोई भी प्रतिबंध नहीं लगाएगा। इससे उन्हें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की स्वतंत्रता प्राप्त होगी, जबकि अन्य देशों के लिए इस जलमार्ग की पहुँच सीमित रहेगी। इस संघर्ष के बीच, भारत, रूस, चीन, पाकिस्तान और ईराक के

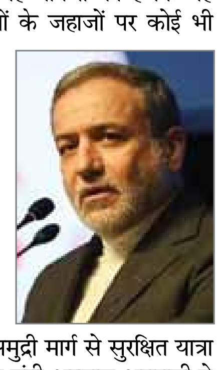

जहाजों को इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से सुरक्षित यात्रा की अनुमति दी गई है।विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ईरानी सरकारी टेलीविजन पर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से बंद नहीं किया गया है और कुछ मित्र देशों को प्रतिबंधों से छूट दी गई है।

आंध्र प्रदेश - डंपर से टकराकर बस में आग

13 जिंदा जले, 22 घायल

- 3 घंटे में आग पर काबू पाया गया, पीएम ने जताया शोक

तेलंगाना (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मरकापुरम जिले में रायवरम के पास गुरुवार को एक सड़क हादसा हुआ। एक प्राइवेट ट्रैवल बस और डंपर में टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस में आग लग गई। बस में सवार 13 यात्री जिंदा जल गए। हालांकि पहले पुलिस की तरफ से पहले 14 मौतों की जानकारी दी गई थी। बाद में सीएम ऑफिस ने मौत का आंकड़े में आफिशियल कंफर्मेशन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि हरिकृष्णा ट्रैवल्स की बस तेलंगाना के निर्मल से नेल्लोर जा रही थी। हादसा सुबह 6:00 बजे के करीब हुआ। आग पर करीब तीन घंटे में काबू पाया गया। जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख जताया।

पीएम मोदी ने किया आर्थिक मदद का ऐलान- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुए भीषण बस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये व घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है।

- होर्मुज में तनाव के बीच सरकार बोली

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं; देश में 60 दिन का तेल भंडार मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ तौर पर कहा कि देश में पेट्रोलियम और एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है।

60 दिनों का स्टॉक उपलब्ध- पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल मिलाकर 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें से वर्तमान में लगभग 60 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। इसमें कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और भूमिगत रणनीतिक भंडारण (कवर्न) शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मध्य पूर्व संकट के 27वें दिन भी देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार ने कहा, हर भारतीय के लिए लगभग दो महीने की निरंतर आपूर्ति उपलब्ध है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। साथ ही अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद भी पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है।

बांग्लादेश में बस नदी में गिरी, 26 की मौत

6 लोगों की जान बचाई, बस को बड़ी नाव पर चढ़ाते समय हुआ हादसा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले में हुए बस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। यह हादसा तब हुआ जब यात्रियों से भरी बस दाउलतदिया घाट पर फेरी (बड़ी नाव) में चढ़ते समय

पद्मा नदी में गिर गई। फायर सर्विस के मुताबिक, 23 शव बस के अंदर से निकाले गए, जिनमें 11 महिलाएं, 8 पुरुष और 5 बच्चे शामिल हैं।

राजस्थान, मप्र में अगले 4 दिन बारिश का अलर्ट

- पंजाब-हरियाणा में भी बारिश की चेतावनी, हिमाचल-उत्तराखंड में बर्फबारी हो सकती है

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ श्रीनगर/ शिमला (एजेंसी)। राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों में एक बार फिर मौसम बदलने वाला है। एमपी में मार्च महीने में तीसरी बार तेज गर्मी की बजाय बारिश होगी। मौसम विभाग ने अगले चार दिन आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर में ज्यादा असर रहेगा। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के असर से मौसम में बदलाव हुआ। बीकानेर, जयपुर, अजमेर, जोधपुर संभाग के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए। चार जिलों में बारिश की चेतावनी है।

उधर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में भी अगले दो दिन तेज बारिश की संभावना है। वहीं, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में

ऊपरी इलाकों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश हो सकती है।

उत्तराखंडः उत्तरकाशी, चमोली समेत 5 जिलों में बारिश-बर्फबारी के आसार- उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों में देखने को मिलेगा। विभाग के मुताबिक, 3300 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हो सकती है।

नायरा ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 रू. महंगा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान जंग के बीच नायरा एनर्जी का पेट्रोल रू. 5 प्रति लीटर और डीजल में 3 महंगा हो गया है। अब भोपाल में पेट्रोल की कीमत 111.72 रुपए और डीजल 94.88 रुपए पर पहुंच गया है।

नायरा एनर्जी की ओर से की गई यह बढ़ोतरी अलग-अलग राज्यों में वहां के लोकल टैक्स और वैट के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। कुछ राज्यों में पेट्रोल की कीमतों में 5.30 प्रति लीटर तक का इजाफा देखा गया है। नायरा के देशभर में करीब 7 हजार पेट्रोल पंप है।

बंगाल एसआईआर- पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट में 13 लाख नाम कटे

- बसीरहाट उत्तर के एक बूथ पर बीएलओ सहित भी 340 वोटरों के नाम गायब

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में चुनाव आयोग ने बताया कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के दौरान जांच के दायरे में आए 32 लाख नामों में से 13 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। आयोग ने सोमवार को इन वोटरों के नाम की पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी। ये अंडर एडजुडिकेशन थे यानी आयोग इनके दस्तावेजों की जांच

कर रहा था। आयोग के मुताबिक, 60 लाख से ज्यादा नाम अंडर एडजुडिकेशन रखे गए थे। इनमें अभी 32 लाख मामलों का निपटारा हुआ है, जबकि करीब 28 लाख मामले अभी भी लंबित हैं जिनकी जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

मर्डर का आरोपी दरोगा 'वीर पशुपतिनाथ मेडल' से वंचित, वैशाली में होना है सम्मान समारोह कार्यक्रम

हाजीपुर। मुजफ्फरपुर में हत्या के आरोपी निलंबित दरोगा राजा सिंह को 'वीर पशुपतिनाथ मेडल' से सम्मानित करने की घोषणा की गई थी। इस घोषणा के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह सम्मान समारोह 9 अप्रैल को वैशाली जिले के बालिगांव थाना क्षेत्र में आयोजित होना था। दरोगा राजा सिंह पर मुजफ्फरपुर के गायघाट में किसान जगत राय की गोली मारकर हत्या करने का आरोप है। बताया जाता है कि जगत राय का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। आरोप है कि दरोगा ने नशे की हालत में जबरन जगत राय के घर में घुसकर गोली चला दी थी, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद से दरोगा राजा सिंह फरार है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि वह मुजफ्फरपुर के एक शराब माफिया के घर में छिपा हुआ है। लोगों का यह भी कहना है कि यह माफिया खुद को मुजफ्फरपुर का मुख्यमंत्री बताता है और दरोगा को अपनी जाति का बताकर बचाने की कोशिश कर रहा है। तेजस्वी यादव ने इस घटना को 'अप्रत्याशित, आपत्तिजनक और घोर निंदनीय' बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री हत्यारे पुलिस अधिकारी को सजा देने के बजाय मेडल दे रहे हैं। तेजस्वी ने बिहार पुलिस पर अपराधियों और शराब माफियाओं का संरक्षक होने का भी आरोप लगाया। इस घटना से मुजफ्फरपुर जिले में व्यापक आक्रोश है। स्थानीय जनता और राजद ने दोषी दरोगा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। राजद ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र गिरफ्तारी नहीं होती और न्याय नहीं मिलता, तो जनता सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। राजद ने स्वर्गीय जगत राय को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने का संकल्प लिया है। हालांकि, आरोपी दरोगा राजा कुमार को 'वीर पशुपतिनाथ मेडल' प्रशस्ति पत्र से वंचित कर दिया गया है।

मर्डर केस में मुख्य आरोपी ने किया सरेंडर, होली के दिन की थी हत्या, हाजीपुर कोर्ट में आत्मसमर्पण

हाजीपुर। वैशाली में होली के दिन रंजीत दास की हत्या के मुख्य आरोपी राजेश सिंह ने पुलिस के दबाव के कारण हाजीपुर न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। राजेश सिंह दाउदनगर, बिदुपुर थाना क्षेत्र के निवासी स्वर्गीय वासुदेव सिंह के पुत्र हैं। यह घटना 4 मार्च को बिदुपुर थाना क्षेत्र में हुई थी। मृतक रंजीत दास गांव के चंदेश्वर दास के पुत्र थे। घटना के दिन, रंजीत अपने चार दोस्तों के साथ खिलवत बजरंगबली चौक से पश्चिम दाउदनगर मटखनवा के पास बांसवाड़ी में होली मना रहे थे। इसी दौरान बगल से गुजर रहे राजेश सिंह को किसी ने टोक दिया, जिससे वह गुस्से में आ गया और गाली-गलौज करने लगा।

जब रंजीत दास ने गाली-गलौज का विरोध किया, तो राजेश सिंह ने अपनी पिस्तौल निकालकर गोली चला दी। गोली रंजीत के सीने में लगी। आरोपी घटना को अंजाम देकर फरार हो गया, जबकि रंजीत के साथ बैठे तीन दोस्त भी मौके से भाग गए। गोली लगने के बाद, आसपास के लोगों ने रंजीत को बिदुपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया था। लगभग तीन घंटे तक चले इस जाम को डीएसपी सुबोध कुमार ने आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर खुलवाया था। पुलिस लगातार आरोपी राजेश सिंह को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही थी। पुलिस की दबिश के कारण आरोपी ने अंततः न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया।

सोनपुर मंडल में 35 लोग गिरफ्तार, अनऑथराइज्ड अलार्म चेन पुलिंग पर 15,000 रुपए जुर्माना

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल ने अनधिकृत अलार्म चैन पुलिंग (ACP) के खिलाफ एक सघन अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत 35 लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनसे 15,000 रुपए का जुर्माना वसूला गया। रेलवे अधिनियम 141 की संबंधित धाराओं के तहत कुल 35 मामले दर्ज किए गए। यह कार्रवाई मंडल के विभिन्न रेलखंडों और स्टेशनों पर प्रभावी रूप से की गई। मंडल प्रशासन का उद्देश्य रेल यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और समयबद्ध बनाए रखना है। अनधिकृत ACP से न केवल ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होता है,

बल्कि यात्रियों की सुरक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। मंडल रेल प्रबंधक के मार्गदर्शन में रेल सुरक्षा बल, वाणिज्य विभाग और परिचालन विभाग के समन्वित प्रयासों से यह अभियान सफल रहा। मंडल द्वारा नियमित जांच, निगरानी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे आपात स्थिति को छोड़कर अलार्म चैन का दुरुपयोग न करें, ताकि सुरक्षित और समयबद्ध रेल सेवा सुनिश्चित की जा सके। सोनपुर मंडल भविष्य में भी यात्रियों की सुरक्षा और रेल अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान जारी रखेगा।

छठी समारोह के दौरान लाठी-रॉड से परिवार-रिश्तेदार पर हमला, निजी जमीन पर जेनरेटर लगाने को लेकर विवाद

हाजीपुर। वैशाली जिले के महनार थाना क्षेत्र के टाड़ा चौड़ी गांव में एक बच्चे के छठी समारोह के दौरान हमलावरों ने मारपीट की। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना पहलाद कुमार झा के आवास पर हुई, जहां परिवार और रिश्तेदार छठी समारोह के लिए एकत्रित हुए थे। कार्यक्रम के लिए घर की निजी जमीन पर एक जेनरेटर लगाया गया था। इसी बात को लेकर गांव के कुछ लोग लाठी-डंडे और लोहे की रॉड के साथ मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे, जिसके बाद विवाद मारपीट में बदल गया। हमलावरों ने समारोह में उपस्थित लोगों पर हमला किया, जिसमें महिलाएं और अन्य रिश्तेदार भी शामिल थे। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मारपीट के दौरान प्रिस राज नामक युवक के सिर पर लोहे की रॉड से वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद समारोह स्थल पर चीख-पुकार मच गई और खुशी का माहौल तनाव में बदल गया। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित परिवार ने महनार थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

एलपीजी आपूर्ति हुई सामान्य, सभी कंपनियों ने होम डिलीवरी सेवा की जारी

हाजीपुर। वैशाली जिले में एलपीजी की आपूर्ति अब सामान्य हो गई है। अपर समाहर्ता संजय कुमार ने जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह (भा.प्र.से.) के निर्देश पर मीडिया प्रतिनिधियों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार गैस उपलब्ध कराई जा रही है। सभी गैस एजेंसियां होम डिलीवरी सेवा सुचारु रूप से संचालित कर रही हैं। अपर समाहर्ता ने यह भी बताया कि पहले गैस प्राप्त करने के लिए लगने वाली लंबी कतारों में अब कमी आई है और स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। वर्तमान में जिले के किसी भी क्षेत्र से एलपीजी आपूर्ति से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। जिला प्रशासन आपूर्ति व्यवस्था की सतत निगरानी कर रहा है, ताकि आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और गैस की उपलब्धता निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जा सके। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकतानुसार ही गैस की बुकिंग करें।

नितिन नवीन बोले- रामनवमी का आयोजन पहले से भव्य होगा

एजेंसी, पटना

❑ **शोभायात्रा ऐतिहासिक और यादगार बनेगी, सांसद अरुण गोविल सहित कई कलाकार होंगे शामिल**

पटना में रामनवमी की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। इस बार का आयोजन पहले से कहीं अधिक भव्य होने जा रहा है। श्री श्री रामनवमी शोभायात्रा अभिनंदन समिति की ओर से आयोजित पीसी में संयोजक नितिन नवीन ने कार्यक्रम की डिटेलिंग दी। उन्होंने बताया, रामनवमी न केवल एक धार्मिक पर्व है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, आस्था और मर्यादा का प्रतीक भी है। भगवान श्रीराम के आदर्श-सत्य, धर्म और न्याय को जन-जन तक पहुंचाने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक एकता का संदेश प्रसारित होता है।

भव्य और सुरक्षित आयोजन की तैयारीः नितिन नवीन ने कहा कि आयोजन समिति ने प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर शोभायात्रा को भव्य, सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने की पूरी तैयारी कर ली है। सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण, स्वच्छता और आपातकालीन सेवाओं को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अनुशासन बनाए रखें और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करें।

भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी रहेंगे मौजूदः नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं और सदस्यों के उत्साह की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि इस वर्ष की रामनवमी शोभायात्रा ऐतिहासिक और यादगार साबित होगी। प्रसिद्ध टीवी धारावाहिक रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता और सांसद अरुण गोविल भी शामिल होंगे। साथ ही भोजपुरी सिनेमा के लोकप्रिय कलाकार और सांसद मनोज तिवारी की उपस्थिति भी कार्यक्रम को खास बनाएगी।

मुख्य मंच पर जुटेगी बड़ी राजनीतिक हस्तियांः मुख्य मंच पर कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां भी मौजूद रहेंगी। इनमें बिहार के राज्यपाल सैयद हसनैन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा समेत कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। सभी अतिथि मंच से शोभायात्रा का अभिनंदन कर आरती उतारेंगे।

बड़ी संख्या में शामिल होंगे श्रद्धालुः इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। आयोजकों को उम्मीद है कि इस बार लाखों श्रद्धालु शोभायात्रा में भाग लेंगे, जिससे पूरा पटना राममय हो उठेगा।

बाढ़ में 3 साल की बच्ची से रेप, मां के साथ चैती मेला देखने गई थी

एजेंसी, पटना

♦ भीड़ में बिछड़ने के बाद खून से मिली लथपथ

पटना के बाढ़ में 3 साल की बच्ची के साथ रेप हुआ है। वो अपनी मां के साथ चैती मेला में गई थी। घर से एक किमी दूर मेला लगा था। भीड़ में बच्ची मां से बिछड़ गई थी। जिसके बाद मां और परिवार के अन्य सदस्यों ने काफी खोजबीन की। इसी दौरान 50 मीटर की दूरी पर एक मंदिर के पीछे बच्ची खून से लथपथ मिली। बच्ची की स्थिति ऐसी थी कि वो बोल नहीं पा रही थी। इससे ये पता नहीं चल सका कि उसके साथ किसने गलत किया। परिजन उसे तुरंत नजदीक के अस्पताल ले गए। मामला मंगलवार देर रात का है। बुधवार को बच्ची का मेडिकल हुआ और अभी एनएमसीएच में उसका इलाज चल रहा है। घटना भदौर थाना क्षेत्र की है।

अब तक आरोपी की पहचान नहींः मंगलवार देर रात अस्पताल ले जाने के बाद परिजन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो बच्ची से पूछताछ की कोशिश की, पर पुलिस को आरोपी के बारे में पता नहीं चला। जिसके बाद पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराया। मेडिकल के बाद पीड़िता को एनएमसीएच रेफर कर दिया गया। अभी तक मामले में पुलिस ने आरोपी की पहचान नहीं की है। परिजन ने थाने में एफआईआर दर्ज करा दी है, जिसमें किसी पर संदेह नहीं जताया है। पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

एफएसएल की टीम ने भी जांच कीः थाना अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार ने कहा कि परिजनों ने लिखित आवेदन दिया है। उनके अनुसार, बच्ची मेला देखने के दौरान बिछड़ गई थी और बाद में मंदिर के पीछे खून से लथपथ मिली। पुलिस ने बच्ची को जांच के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा था। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। बच्ची के प्राइवेट पार्ट से खून निकल रहा था।

दानापुर से लेकर पटना सिटी तक जलजमाव से मिलेगी राहत

एजेंसी, पटना

पटना को अब 8 नए DPS (ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन) की सौगात मिलेगी। बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) इसे तैयार कर रहा है। राजीव नगर, दीघा कैनाल, आनंद बाजार (दानापुर), टीवी टावर, दशरथा, नंदलाल छपरा, बकरी बाजार (बाजार समिति) और प्रेम कुंज (पहाड़ी) में मानसून से पहले चालू कर दिया जाएगा। अभी इन सभी का 95% काम पूरा हो चुका है।

बुडको प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि पटना के शहरी क्षेत्र में मानसून के दौरान तेज जल निकासी के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई है। कई स्थानों पर अत्याधुनिक डीपीएस का निर्माण करवाया गया है, जो इस मानसून में जलजमाव की समस्या से निजात दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये सभी डीपीएस अलग-अलग क्षमता वाले बनकर तैयार हैं।

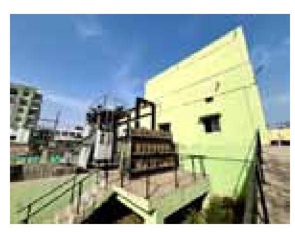

मानसून पहले इन डीपीएस को चालू कर दिया जाएगा।

हाई कैपेसिटी के डीवाटरिंग पंप इंस्टॉल किए गएः इसके चालू होने से दानापुर से लेकर पटना सिटी और बाइपास क्षेत्रों को कवर करते हुए शहर के विभिन्न हिस्सों को जलजमाव से राहत मिलेगी। इन सभी नवनिर्मित डीपीएस में हाई कैपेसिटी के डीवाटरिंग पंप इंस्टॉल किए गए हैं। ये मॉर्डन पंप तेजी से जल निकासी करेंगे, जिससे भारी बारिश के बाद भी सड़कों और गलियों में पानी नहीं जमा रहेगा। बुडको की ओर से पहले से ही 56 स्थाई और 35 अस्थाई डीपीएस ऑपरेट किए जा रहे हैं।

पीएमसीएच में अगले सप्ताह से कैंसर विभाग शुरू

एजेंसी, पटना

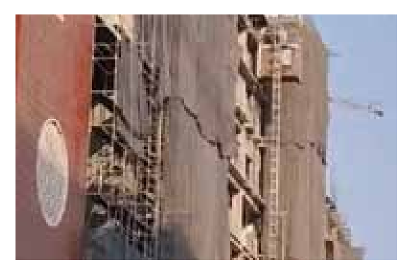

❑ **जांच, सर्जरी और कीमो थेरेपी एक ही छत के नीचे, अबतक एम्स-आईजीआईएमएस रेफर होते थे मरीज**

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में अगले सप्ताह से कैंसर मरीजों के लिए ऑन्कोलॉजी विभाग शुरू होने जा रहा है। अब कैंसर के मरीजों को जांच, सर्जरी, कीमो थेरेपी और रेडियोथेरेपी जैसी सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। अब तक PMCH में सीमित संसाधनों के कारण कैंसर मरीजों को इलाज के लिए इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) पटना रेफर किया जाता था। इससे इलाज में देरी होती थी, जिससे मरीजों की हालत बिगड़ने और परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता था। नए विभाग के शुरू होने से इन समस्याओं से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। PMCH के अधीक्षक प्रो. (डॉ.) राजीव कुमार सिंह ने बताया कि कैंसर विभाग के लिए पांच विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम पहले से ही उपलब्ध है। इस टीम में दो सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, एक गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, एक रेडियोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और एक मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट शामिल हैं।

जरूरत पड़ने पर एक्स्ट्रा ओटी उपलब्ध होंगेः डॉ. सिंह के अनुसार, सर्जरी से संबंधित डॉक्टर MCH डिग्रीधारी हैं, जबकि मेडिसिन विशेषज्ञ DM क्वालिफाइड हैं। इससे यह होगा कि मरीजों को सरकारी अस्पताल में ही उच्च स्तरीय विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध हो सकें। नए ऑन्कोलॉजी विभाग में रोज ओपीडी (आउट पेशेंट डिपार्टमेंट) संचालित की जाएगी। इससे मरीजों को लंबी कतारों और इलाज की तारीखों के लिए इंतजार से मुक्ति मिलेगी। इसके अलावा ऑपरेशन के लिए पर्याप्त संख्या में ऑपरेशन थिएटर (OT) की व्यवस्था की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर गंभीर मरीजों के ऑपरेशन के लिए समय पर एक्स्ट्रा ओटी भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

कीमो-रेडियोथेरेपी दोनों सुविधाएं अब नियमित पीएमसीएच में पहले से रेडियोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध थी, लेकिन कीमोथेरेपी की नियमित व्यवस्था नहीं थी। अब इसे भी व्यवस्थित रूप से शुरू किया जा रहा है। पुराने इमरजेंसी वार्ड में कैंसर मरीजों के लिए पांच बेड चिह्नित किए गए हैं। वहीं, सेंट्रल यूटिलिटी ब्लॉक में पहले से मौजूद 20 बेड की सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा। न्यूरोसर्जरी भी होगी मजबूत, ब्रेन ट्यूमर का इलाज कैंसर के जटिल मामलों, खासकर ब्रेन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारियों को ध्यान में रखते हुए न्यूरोसर्जरी सेवाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। इससे मरीजों को अब राज्य के बाहर या बड़े संस्थानों की ओर रुख करने की जरूरत कम पड़ेगी।

मरीजों का समय-पैसों की बचत नए विभाग के शुरू होने से सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि मरीजों को बार-बार अस्पताल बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दूर-दराज से आए मरीजों को एक छत के नीचे सारी सुविधाएं मिलेंगी, एक ही जगह पर पूरा इलाज मिलने से समय की बचत होगी, खर्च कम होगा और इलाज में देरी भी नहीं होगी।

स्वास्थ्य व्यवस्था में बड़ा बदलावः चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि पीएमसीएच में ऑन्कोलॉजी विभाग की शुरुआत बिहार के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है। इससे न केवल पटना बल्कि पूरे राज्य के कैंसर मरीजों को सुलभ और किफायती इलाज मिलेगा, बल्कि बड़े संस्थानों पर दबाव भी कम होगा।

सड़क किनारे मिला अज्ञात शव, मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने देखी थी लाश

एजेंसी, पटना

व्यक्ति की पहचान में जुटी पुलिस

पटना जिले के बिहटा थानाक्षेत्र के पैनाठी गांव में गुरुवार सुबह सड़क किनारे एक अज्ञात शख्स की लाश मिली है। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र 55 से 60 वर्ष के बीच बताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने सुबह टहलने के दौरान शव को देखा, जिसके बाद उन्होंने डायल-112 और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मौत कैसे हुई पता लगा रही पुलिसः शव के पास से कोई पहचान पत्र नहीं मिला है। शख्स ने ब्लू शर्ट और नारंगी पैंट पहन रखा था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। उसकी पहचान की कोशिश है रही, साथ ही पता लगाया जा रहा कि उसकी मौत कैसे हुई।

घटना को लेकर स्थानीय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की पैनाठी गांव के सड़क किनारे एक अज्ञात अधेड़ का शव पड़ा हुआ है। इसके बाद पुलिस की टीम भी मौके पहुंची। सूचना मिलने के बाद FSL टीम को भी सूचना दे दी गई है। शव को कब्जे में ले लिया गया है और पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। हालांकि शव की पहचान को लेकर आसपास थानों को सूचना दे दी गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि मौत कब और कैसे हुई है।

वंदेभारत के खाने में कीड़ा, आईआरसीटीसी पर 10 लाख जुर्माना, पैसेंजर ने की शिकायत

एजेंसी, पटना

♦ फूड सर्विस प्रोवाइडर पर भी 50 लाख का फाइन

भारतीय रेलवे ने अपनी ही कैटरिंग इकाई इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) और संबंधित फूड सर्विस प्रोवाइडर पर कार्रवाई की है। पैसेंजर ने वंदे भारत एक्सप्रेस में खराब क्वालिटी के खाने की शिकायत की थी, जिसके बाद IRCTC पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा संबंधित फूड सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख का जुर्माना लगाया गया है। ठेकेदार का कॉन्ट्रैक्ट तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। रेलवे ने ये जानकारी आधिकारिक 'X' हैंडल पर पोस्ट कर दी है।

मामला 16 मार्च 2026 का है, जब ट्रेन संख्या 21896 पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। यात्री ने आरोप लगाया था कि परोसा गया भोजन न केवल घटिया था, बल्कि उसमें साफ-सफाई के मानकों का भी पालन नहीं किया गया था। खाने में कीड़े मिलने की बात भी कही गई थी।

जांच में शिकायत सही मिलीः शिकायत सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन तुरंत हरकत में आया और मामले की जांच के आदेश दिए। जांच के दौरान यात्री की शिकायत सही पाई गई। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि ट्रेन में परोसा जा रहा भोजन तय मानकों के अनुरूप नहीं था। जांच में गुणवत्ता, स्वच्छता और पैकेजिंग से जुड़े कई गंभीर उल्लंघन सामने आए। रेलवे ने इस लापरवाही को यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ मानते हुए कड़ा कदम उठाया। वहीं, IRCTC पटना ने बताया, हम लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई। रेलवे अधिकारी ने बताया कि IRCTC सभी स्टेट से पैनल होती है। तो all over IRCTC पर जुर्माना लगाया गया है।

पटना में गेमिंग ऐप से ठगी करने वाले 5 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

❑ **अब तक लाखों की कर चुके हैं हेराफेरी, नेटवर्क के अन्य सदस्य फरार**

पटना पुलिस ने गेमिंग ऐप के जरिए ठगी करने वाले 5 शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग ऐप का इस्तेमाल कर लोगों को शिकार बनाते थे। अब तक लाखों रुपए की ठगी कर चुके हैं। गिरफ्तार ठगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के बाद इस गिरोह से जुड़े और बड़े खुलासे हो सकते हैं। कार्रवाई शास्त्रीनगर थाने की पुलिस ने की है।

शिवपुरी से नेटवर्क चला रहे थेः पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के शिवपुरी इलाके से पांच शातिरों को एक फ्लैट से गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा कि सभी ठगों ने शिवपुरी को लंबे समय से अपना नया ठिकाना बनाया हुआ था और नेटवर्क को चला रहे थे। इस मामले में गिरोह 5 अन्य सदस्य फरार हैं, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

अंडे के छिलके अब सोखेंगे पानी का 'धीमा जहर'

एजेंसी, पटना

♦ **आर्यभट्ट ज्ञान यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों को मिला पेटेंट, पानी में मौजूद आर्सेनिक-फ्लोराइड आसानी से होंगे अलग**

अब अंडे के छिलके से पानी के 'धीमा जहर' को सोखा जा सकता है। देश में बढ़ते जल प्रदूषण के बीच पटना के आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय (AKU) ने एक बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि हासिल की है। यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने अंडे के बेकार छिलकों से एक नैनो-टेक्नोलॉजी आधारित सस्ता और प्रभावी जल शोधन सिस्टम विकसित किया है। ये पानी में मौजूद आर्सेनिक और फ्लोराइड को अलग कर सकता है। देश के कई हिस्सों में आर्सेनिक और फ्लोराइड युक्त पानी 'धीमे जहर' के रूप में लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रहा है।

अंडे के छिलकों को कैल्शियम ऑक्साइड नैनोकणों में बदलाः इस शोध को डॉ. अभय कुमार अमन, डॉ. राकेश कुमार सिंह और शोधार्थी आशुतोष कुमार की टीम ने पूरा किया है। वैज्ञानिकों ने अंडे के छिलकों को प्रोसेस कर उन्हें कैल्शियम ऑक्साइड नैनोकणों में बदला है। नैनोमीटर आकार के ये सूक्ष्म कण पानी में मौजूद आर्सेनिक, फ्लोराइड, लेड और अन्य विषैले तत्वों को तेजी से सोख लेते हैं। इसके साथ ही, ये बैक्टीरिया और रोगजनकों को निष्क्रिय कर पानी को सुरक्षित बनाते हैं। इस प्रक्रिया में प्राकृतिक हर्बल जूस का उपयोग किया गया है, जिससे यह पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल बनती है।

भारत सरकार ने इस तकनीक को दिया पेटेंटः कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव ने कहा कि, हमारे स्कूल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने 'वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा को धरातल पर उतारते हुए "अंडे के छिलके पर आधारित कम लागत वाली जल शोधन प्रणाली" विकसित की है। यह आविष्कार केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं है, बल्कि बिहार की भौगोलिक चुनौतियों, विशेषकर आर्सेनिक और फ्लोराइड जनित जल प्रदूषण का, एक सशक्त समाधान है। अंडे के छिलके जैसे घरेलू कचरे का उपयोग कर नैनो-तकनीक के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना, हमारे विश्वविद्यालय की सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत सरकार द्वारा इस तकनीक को पेटेंट प्रदान करना हमारे शोध की गुणवत्ता और मौलिकता पर मुहर लगाता है।

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न कांडों में 4 अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस की कार्रवाई तेज

• हत्या, एनडीपीएस, एससी-एसटी व मद्य-निषेध मामलों में अलग-अलग थानों की कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में भोपतपुर एवं सुगौली थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कुल 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। भोपतपुर थाना क्षेत्र के थाना कांड संख्या-14/25 (हत्या) में अप्राथमिकी अभियुक्त गुड्डू कुमार, पिता सुरेंद्र सहनी, निवासी जगीराहा कोठी, थाना कोटवा, को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वहीं, सुगौली थाना क्षेत्र में विभिन्न कांडों के तहत 03 प्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एनडीपीएस एक्ट, एससी-एसटी एक्ट एवं मद्य-निषेध से जुड़े मामले शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में मुन्ना आलम (श्रीपुर), विजय यादव (पंचबिहावा) एवं वीरबहादुर साह (पंजीआरवा) शामिल हैं। पुलिस ने सभी अभियुक्तों के विरुद्ध संबंधित कांडों में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, घर से ही करता था बिक्री

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में सूखा नशा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक और सफलता मिली है। पिपरा थाना पुलिस ने डॉग स्क्वॉड के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए मधुडीह गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 106 ग्राम गांजा बरामद करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामबाबू सिंह, पिता स्व. देवनन्द सिंह, निवासी मधुडीह, थाना पिपरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने घर से ही गांजा की पुड़िया बनाकर बेचने का धंधा करता था। बरामद गांजा को जब्त कर लिया गया है और आरोपी के विरुद्ध संबंधित कांड दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में सूखा नशा के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रामनवमी पर कड़ी सुरक्षा, मोतिहारी पुलिस पूरी तरह मुस्तैद

ड्रोन से निगरानी, संवेदनशील स्थानों पर विशेष चौकसी

बीएनएम @ मोतिहारी। रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए मोतिहारी पुलिस पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में जुलूस एवं पूजा पंडालों के आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। साथ ही आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए ड्रोन के माध्यम से भी लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। जिले के नगर थाना, पहाड़पुर, गोविन्दगंज, अरेराज, सुगौली, मेहसी सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस पदाधिकारी लगातार गश्ती कर रहे हैं और आम लोगों से शांति एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील कर रहे हैं।

रामनवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा, श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

बीएनएम @ तुरकौलिया। रामनवमी पर्व के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंगदल के तत्वाधान में राम जानकी मठ ब्रहटोला से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा तुरकौलिया बाजार, तुरकौलिया चौक, कवलपुर, बैरिया बाजार, बोरिंग चौक होते हुए निमुईया मार्ग से गांधी घाट तक पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। भगवान राम और माता सीता की आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। झांकी में हनुमान जी रथ संचालित करते नजर आए, जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान जेसीबी के माध्यम से भगवान राम और माता सीता पर फूलों की वर्षा की गई, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा में करीब एक दर्जन घोड़े भी शामिल हुए, जिन्होंने जुलूस की भव्यता को और बढ़ाया। शोभायात्रा के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज, राजन तिवारी, सरपंच विजय सिंह, अनील गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, रवि गुप्ता, विक्की कुमार, संजय साह, पूर्व मुखिया कमरुज्जमा, आबिद अंसारी, अजमल कसाब उर्फ लाल, असलम अंसारी, आसिफ अंसारी, फारुक अंसारी, युनूस मियां सहित कई गणमान्य लोग व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय दिखे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। इंस्पेक्टर डीके भारती, तुरकौलिया थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी एवं रघुनाथपुर थानाध्यक्ष अलका कुमारी सशस्त्र बलों के साथ जुलूस के साथ-साथ तैनात रहे। कवलपुर मस्जिद के पास विशेष पुलिस बल की व्यवस्था की गई थी।

धैर्य और भक्ति से ही मिलता है प्रभु का साक्षात्कारः संत देवव्रत जी महाराज

» जीवन का सबसे बड़ा लाभ यही है कि अंत समय में भगवान का स्मरण हो जाए।

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। ब्रह्मलीन योगीराज श्री देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में आयोजित 55वें सद्गुरु महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा के आठवें दिवस पर गुरुवार को अयोध्या धाम से पधारे संत देवव्रत जी महाराज ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। अपने प्रेरणादायी प्रवचन में उन्होंने कहा कि जीवन का सबसे बड़ा लाभ यही है कि अंत समय में भगवान का स्मरण हो जाए। उन्होंने शबरी के उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि जीवन में धैर्य और सच्ची भक्ति हो, तो परमात्मा एक दिन अवश्य दर्शन देते हैं। संत श्री ने श्री राम और भरत के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाई-भाई के बीच संपत्ति का नहीं, बल्कि विपत्ति का बंटवारा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भरत का निष्काम प्रेम ही "भरत मिलाप" की वास्तविक भावना है, जो समाज के लिए अनुकरणीय है। यज्ञ संयोजक राम भजन ने जानकारी दी कि राम नवमी के अवसर पर 27 मार्च को विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रातः 9:00 बजे से कथा प्रारंभ होगी, जबकि दोपहर 12:00 बजे श्री राम जन्मोत्सव, श्री राम राज्याभिषेक की दिव्य झांकी, यज्ञ की पूर्णाहुति, हवन एवं महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा। आठवें दिवस की कथा का शुभारंभ व्यास पूजन एवं आरती-तिलक के साथ हुआ, जिसे प्रोफेसर देवेश शांडिल्य, मनमोहन शर्मा एवं उषा शर्मा ने संपन्न किया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध व्यवसायी जितेंद्र कुमार (ज्वेलर्स) द्वारा संत श्री का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में लाल बाबू मिश्रा, देवेंद्र पाठक, इंजीनियर राजकिशोर प्रसाद, डॉ. मनोज कुमार, विक्की कुमार, रंजीत कुमार एवं दिलीप केसरी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लेकर संत श्री का अभिनंदन किया। श्री राम नाम संकीर्तन के यजमान कृष्ण कुमार रहे, जबकि मंच का सफल संचालन सह सचिव राम भजन द्वारा किया गया।

वाहन जांच में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3 चोरी की बाइक बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

» दो आरोपी गिरफ्तार, एक विधि-विरुद्ध बालक निरुद्ध; अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई

मोतिहारी। जिले में वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन वाहन जांच के दौरान पुलिस ने 03 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। इस कार्रवाई में 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 01 विधि-विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया है। पचपकड़ी थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान एक विधि-विरुद्ध बालक के पास से एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। HHD मशीन से जांच करने पर उसके चेचिस नंबर में गड़बड़ी पाई गई। जांच में यह वाहन पिपराकोठी थाना कांड संख्या-07/19 से चोरी का निकला। पुलिस ने मोटरसाइकिल जब्त कर बालक को निरुद्ध करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकारगंज थाना क्षेत्र में जांच के दौरान एक व्यक्ति आशिक आलम, पिता मोहम्मद हुसैन मियां, निवासी हरनाथपुर (थाना पकड़ीदयाल), पुलिस को देखते ही मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगा। पुलिस बल की मदद से उसे पकड़ लिया गया। जांच में मोटरसाइकिल चोरी की पाई गई। पुलिस ने वाहन जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह रामगढ़वा थाना क्षेत्र में भी वाहन जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल के चेचिस नंबर में भिन्नता पाई गई, जो चोरी की निकली। पुलिस ने वाहन के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। तीनों मामलों में संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस अन्य संलिप्त अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

एमजीसीयू में राष्ट्रीय संगोष्ठी व ब्रजकिशोर सिंह पुरस्कार समारोह संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा बुद्ध परिसर, बनकट स्थित वृहस्पति सभागार में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सह ब्रजकिशोर सिंह वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव एवं मुख्य अतिथि प्रो. कैलाश सोदानी ने दीप प्रज्वलित कर किया। "वर्तमान समय में गांधीवादी चिंतन की प्रासंगिकता और साहित्य" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने गांधीजी के विचारों की आज के दौर में उपयोगिता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो. सोदानी ने कहा कि सत्य, अहिंसा और नैतिकता ही समाज को दिशा दे सकते हैं। वहीं कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय की गांधीवादी विचारों के संरक्षण व प्रसार के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। विशिष्ट अतिथि प्रो. संजय पासवान और गांधी संग्रहालय स्मारक समिति के सचिव विनय कुमार सिंह ने भी अपने विचार रखे और चंपारण की ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित किया। समारोह में वर्ष 2022, 2023 व 2024 के लिए ब्रजकिशोर सिंह वार्षिक पुरस्कार प्रदान किए गए। 2022 के लिए भैरव लाल दास, 2023 के लिए प्रो. गिरीश्वर मिश्र तथा 2024 के लिए प्रो. बी.एम. शर्मा को उनकी पुस्तकों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने गांधीजी के विचारों को वर्तमान समाज में अपनाने की जरूरत बताई। अंत में प्रो. सुनील महावर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। आयोजन में बड़ी संख्या में शिक्षाविद, शोधार्थी व छात्र उपस्थित रहे।

एनीमिया नियंत्रण को लेकर 'एफसीएम थेरेपी' अभियान शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार में गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की समस्या से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने 'फेरिक कार्बक्सीमाल्टोज (एफसीएम) थेरेपी' अभियान की शुरुआत की है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इसका राज्यस्तरीय शुभारंभ किया। इसी क्रम में मोतिहारी सदर अस्पताल में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसका उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने किया। इस मौके पर उपाधीक्षक डॉ. सच्चिदानंद सत्यार्थी, डॉ. सुरुचि स्मृति, डीसीएम नंदन झा, पिरामल फाउंडेशन के नावेद उर रहमान व अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। सिविल सर्जन ने बताया कि एनएफएचएस-5 के अनुसार बिहार में लगभग 63 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं एनीमिया से ग्रसित हैं, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इसे देखते हुए एफसीएम थेरेपी को प्रभावी समाधान के रूप में लागू किया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक जिले में चयनित स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। चिन्हित गर्भवती महिलाओं को एंबुलेंस से अस्पताल लाकर थेरेपी दी जा रही है और उपचार के बाद सुरक्षित घर पहुंचाया जा रहा है। निर्देशानुसार मध्यम और गंभीर एनीमिया की स्थिति में चिकित्सकीय सलाह के अनुसार आईवी आयरन थेरेपी दी जाएगी। उपचार के दौरान मरीजों की निगरानी और आपात दवाओं की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। अभियान के तहत मोतिहारी में 17 एनीमिक गर्भवती महिलाओं को उपचार दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को उम्मीद है कि इस पहल से मातृ मृत्यु दर में कमी आएगी और "एनीमिया मुक्त बिहार" लक्ष्य को बल मिलेगा।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण हेतु बिहार में क्षेत्र प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य बिहार राज्य में 02 मई 2026 से 31 मई 2026 तक संचालित किया जाना निर्धारित है। इस महत्वपूर्ण कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले के सभी प्रखंडों में कार्यरत प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर क्षेत्र प्रशिक्षकों (Field Trainers) का प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 मार्च से 28 मार्च 2026 तक विभिन्न बैचों में समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभा भवन में आयोजित किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 23 से 25 मार्च तक तीन बैचों में कुल 102 क्षेत्र प्रशिक्षकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, चौथे एवं पांचवें बैच के कुल 80 क्षेत्र प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 26 मार्च 2026 से प्रारंभ किया गया है। प्रशिक्षण सत्र में राज्य स्तर के मास्टर ट्रेनर एवं जिला स्तरीय प्रशिक्षकों द्वारा क्षेत्र प्रशिक्षकों को जनगणना की बारीकियों से अवगत कराया गया। इसमें डेटा संग्रहण की प्रक्रिया, प्रपत्रों को सही तरीके से भरने की विधि, मोबाइल एप के माध्यम से डिजिटल एंट्री, सीएमएमएस एवं एचएलबीसी पोर्टल के संचालन जैसे तकनीकी पहलुओं पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही फील्ड ट्रेनरों को यह भी सिखाया जा रहा है कि वे प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण कैसे दें। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद यही फील्ड ट्रेनर प्रखंड एवं नगर निकाय स्तर पर प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षित करेंगे। इस प्रशिक्षण में स्व-गणना (Self Enumeration) पर विशेष बल दिया गया तथा सभी को इसमें सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया। ज्ञातव्य है कि बिहार राज्य में स्व-गणना 17 अप्रैल से 1 मई 2026 तक स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से किया जाना है, जिसे मकान सूचीकरण के दौरान स्थानीय प्रगणक द्वारा संग्रहित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार से आए शरद चंद्र द्विवेदी, राहुल हर्षवर्धन एवं आदित्य कुमार के साथ-साथ जिला के मास्टर प्रशिक्षक रमेश कुमार, राजीव कुमार सिंह तथा कोषांग के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

निगरानी के जाल में फंसा बीसीएम, 10 हजार रिश्वत लेते धराया

बीएनएम @ पटना/नालंदा

पटना/नालंदा। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नालंदा जिले में एक स्वास्थ्य कर्मी को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मंजीत प्रसाद के रूप में हुई है, जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नगरनौसा में प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक (बीसीएम) के पद पर कार्यरत था। निगरानी टीम ने उसे उसके कार्यालय कक्ष से ही रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। जानकारी के अनुसार, नगरनौसा थाना क्षेत्र की रहने वाली परिवादिनी बॉबी कुमारी ने पटना स्थित निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपी द्वारा आधार कार्ड में जन्मतिथि सुधार कराने तथा संबंधित अभिलेखों में संशोधन के नाम पर 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायत के सत्यापन के बाद मामला सही पाए जाने पर निगरानी टीम ने जाल बिछाया। पुलिस उपाधीक्षक श्रीयाम चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी को रिश्वत लेते ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने बताया कि उसे विशेष न्यायालय, निगरानी, पटना में प्रस्तुत किया जाएगा तथा मामले में आगे की जांच जारी है।

आर्म्स एक्ट का कुख्यात आरोपी बब्लू गिरफ्तार, हथियार बरामदगी कांड में बड़ी कार्रवाई

» कमरुद्दीन उर्फ ढोलकवा का सागिर्द निकला आरोपी, अस्पताल में पुलिस निगरानी में इलाज जारी

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

मोतिहारी / हरसिद्धि। पूर्वी चंपारण जिले में पुलिस ने दो अहम मामलों में सफलता हासिल करते हुए कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हरसिद्धि थाना कांड संख्या-634/25 (आर्म्स एक्ट) में वांछित आरोपी सैय्यद उर्फ मो. बबलू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तुरकौलिया थाना क्षेत्र के बलही गांव निवासी सैय्यद उर्फ मो. बबलू, पिता रेयाजुल मियां उर्फ रेयाज अहमद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ तुरकौलिया थाना कांड संख्या-378/15 (हत्या के प्रयास) का मामला दर्ज है। पुलिस अन्य मामलों की भी जांच कर रही है। वहीं, हरसिद्धि थाना क्षेत्र के चर्चित हथियार बरामदगी कांड में भी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कुख्यात अपराधी कमरुद्दीन मियां उर्फ ढोलकवा के करीबी सहयोगी बबलू मियां को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी पहचान भी बलही गांव निवासी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के समय बबलू मियां घायल अवस्था में था और फिलहाल अस्पताल में भर्ती है। पुलिस की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, वह हाल ही में पड़ोसी से हुए विवाद में घायल हुआ था। ज्ञात हो कि सितंबर 2025 में हरसिद्धि थाना पुलिस ने मुरारपुर पंचायत की तत्कालीन मुखिया फरजाना खातून के सरिसवा स्थित आवास पर छापेमारी कर भारी मात्रा में हथियार बरामद किए थे। घर के अंदर बने भूमिगत कक्ष से एक पेटी में छिपाकर हथियार रखे गए थे। इस मामले में तत्कालीन थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उस दौरान पुलिस ने फरजाना खातून और उसके पति कमरुद्दीन मियां उर्फ ढोलकवा को गिरफ्तार किया था। एफआईआर में कुल सात लोगों को गिरोह का सदस्य बताया गया था, जिसमें बबलू मियां का नाम भी शामिल था। घटना के बाद से ही वह फरार चल रहा था। अब उसकी गिरफ्तारी से पुलिस को गिरोह के नेटवर्क और अन्य सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि आरोपी के स्वस्थ होने के बाद उससे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

एचपीसीएल एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में लेवल-3 अग्निशमन मॉक ड्रिल आयोजित

» गैस रिसाव व विस्फोट जैसी आपदा से निपटने का किया गया अभ्यास

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि स्थित एचपीसीएल चम्पारण एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में बुधवार को लेवल-3 अग्निशमन मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान टैंकर बुलेट के फटने से गैस रिसाव और उसके बाद संभावित BLEVE (बॉयलिंग लिक्विड एक्सपैंडिंग वेपर एक्सप्लोजन) जैसी आपात स्थिति का अभ्यास किया गया। यह मॉक ड्रिल प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य प्लांट में संभावित दुर्घटनाओं से निपटने की तैयारियों को परखना और मजबूत करना है। विशेष रूप से टैंक, ट्रक एवं गैस क्षेत्र में एलपीजी रिसाव और आगजनी जैसी स्थितियों में त्वरित कार्रवाई के लिए यह अभ्यास किया गया। ड्रिल में विभिन्न विभागों एवं आपातकालीन सेवाओं की सक्रिय भागीदारी रही। प्लांट प्रबंधन ने बताया कि इस तरह के अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करना तथा कर्मचारियों की दक्षता का मूल्यांकन करना है। प्रबंधन ने यह भी कहा कि एचपीसीएल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और समय-समय पर ऐसे अभ्यास आयोजित कर किसी भी संभावित आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारी सुनिश्चित की जाती है। इस मौके पर अरेराज की एसडीएम अंजलि शर्मा, एसडीपीओ रवि कुमार, फायर सर्विस के रमेश प्रसाद, एसआई धनंजय कुमार दुबे, हरसिद्धि के मेडिकल ऑफिसर डॉ. ब्रजेश कुमार, सीओ गुलशन कुमार पासवान तथा एसआई परसनाथ चौधरी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

खनन कार्यालय में 50 हजार रिश्वत लेते दो कर्मी गिरफ्तार

मोतिहारी और छपरा के रहने वाले दो कर्मी चढ़े पुलिस के हत्थे

बीएनएम @ पटना। वैशाली जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए निगरानी विभाग की टीम ने खनन कार्यालय के दो कर्मियों को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बिदुपुर प्रखंड के माइल गांव के एक व्यक्ति की शिकायत पर की गई, जिससे गिट्टी दुकान का लाइसेंस बनवाने के बदले अवैध राशि की मांग की गई थी।निगरानी विभाग के डीएसपी सदानंद सिंह के नेतृत्व में बिछाए गए जाल में डाटा एंट्री ऑपरेटर राहुल कुमार रोशन (मोतिहारी निवासी) और चतुर्थ वर्गीय कर्मी प्रमोद कुमार (छपरा निवासी) फंस गए। टीम ने उन्हें कार्यालय परिसर में ही रिश्वत की राशि स्वीकार करते हुए दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को सर्किट हाउस ले जाया गया, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है।इस छापेमारी ने सरकारी महकमों में हड़कंप मचा दिया है। निगरानी विभाग ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भ्रष्टाचार में लिप्त किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। विभाग अब इस मामले में अन्य कड़ियों और बड़े नेटवर्क की भी जांच कर रहा है।

नीतीश सीएम नहीं रहे, तो मैं भी नहीं लड़ूंगा चुनावः अनंत सिंह

बीएनएम @ पटना/बिहारशरीफ। मोकामा के बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह ने बिहार की राजनीति में बड़ा बयान देते हुए घोषणा की है कि यदि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहते, तो वे भी आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे। बिहारशरीफ में पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि बिहार का विकास नीतीश कुमार की दूरगामी नीतियों का ही परिणाम है। नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं पर उन्होंने निशांत कुमार का समर्थन करते हुए उन्हें पढ़ा-लिखा और मुख्यमंत्री पद के लिए एक उपयुक्त चेहरा बताया। नीतीश कुमार के दिल्ली जाने की अटकलों पर उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि दिल्ली कोई विदेश नहीं है, वहां जाना बिहार छोड़ने जैसा नहीं है। पूर्व विधायक पप्पू खां के आवास पर पहुंचे अनंत सिंह का उनके समर्थकों ने बैंड-बाजे और घोड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने बिहारशरीफ में हुए विकास कार्यों की भी जमकर सराहना की।

मेरठ में आयोजित "विज्ञान घर" में बिहार की धमक

शोध और प्रयोगों के लिए स्टेट कॉर्डिनेटर पुरस्कृत

बीएनएम @ बेतियाः मेरठ में आयोजित देश के पहले विज्ञान आधारित रियलिटी शो "विज्ञान घर" के समापन समारोह में बिहार के स्टेट कॉर्डिनेटर नितेश पटेल को उनकी उत्कृष्ट भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। 'बिग बॉस' की तर्ज पर बने इस अनूठे शो का उद्देश्य विज्ञान के प्रति युवाओं की रुचि जगाना और उन्हें शोध के लिए एक मंच प्रदान करना था।मेरठ के दीपक शर्मा के मार्गदर्शन में चले इस 10 दिवसीय विशेष कार्यक्रम में देशभर से 20 प्रतिभाशाली बच्चों का चयन हुआ था। इन प्रतिभागियों ने सीमित संसाधनों और बिना किसी बजट के नए-नए वैज्ञानिक प्रयोग और नवाचार किए। समारोह के दौरान नितेश पटेल के साथ उनके शिष्य नितेश कुमार को भी सम्मान मिला। नितेश पटेल ने बताया कि इस शो के माध्यम से बच्चों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिला है और उनके शोध को वैश्विक पहचान दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

प्रतिभा के आगे बाधा नहीं बनती गरीबीः सांसद

टॉप-3 में जगह बनाकर नासरीन ने साबित किया अपना लोहा

बीएनएम @ बगहाः बगहा के नरवल बोरवल गांव की नासरीन प्रवीण ने अपनी असाधारण प्रतिभा से पूरे बिहार में जिले का नाम रोशन किया है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की इंटरमीडिएट आर्ट्स परीक्षा में 95 प्रतिशत (477 अंक) प्राप्त कर नासरीन ने राज्य स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बगहा की एसडीएम चांदनी कुमारी और वाल्मीकिनगर के सांसद सुनील कुमार ने नासरीन के घर पहुंचकर उन्हें अंगवस्त्र और शुभकामनाओं के साथ सम्मानित किया।नासरीन की यह सफलता इसलिए भी विशेष है क्योंकि उनके पिता, अब्दुल्ला अंसारी, पेशे से एक दर्जी हैं। सीमित संसाधनों और परिवार की साधारण आय के बावजूद नासरीन ने अपनी कड़ी मेहनत से यह मुकाम पाया है। सांसद सुनील कुमार ने इस अवसर पर कहा कि नासरीन जैसी बेटियां समाज का गौरव हैं और साबित करती हैं कि अभाव कभी भी प्रतिभा की राह में बाधा नहीं बन सकते। एसडीएम चांदनी कुमारी ने भी प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।भविष्य के लक्ष्यों को साझा करते हुए नासरीन ने बताया कि वह आगे चलकर वकील बनना चाहती हैं और न्यायिक सेवा के माध्यम से समाज को अपना योगदान देना चाहती हैं। उनकी यह यात्रा ग्रामीण क्षेत्र के उन हजारों विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है जो विपरीत परिस्थितियों में भी बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं।

अंबेडकर छात्रावासों में रहने वाले छात्रों की बल्ले-बल्ले, छात्रवृत्ति होगी दोगुनी

अब 1000 की जगह 2000 रुपये मिलेगी मासिक छात्रवृत्ति

बीएनएम @ पटनाः बिहार के डॉ. अंबेडकर कल्याण छात्रावासों में रहने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कल्याणकारी निर्णय लिया है। विभाग के नए प्रस्ताव के अनुसार, अब इन छात्रों की मासिक छात्रवृत्ति को दोगुना कर दिया जाएगा। वर्तमान में छात्रों को 1,000 रुपये प्रति माह मिलते हैं, जिसे बढ़ाकर 2,000 रुपये करने की तैयारी है।अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा तैयार इस प्रस्ताव को जल्द ही राज्य मंत्रिपरिषद की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। इस निर्णय से प्रदेश के 139 छात्रावासों में रह रहे लगभग 10,000 विद्यार्थियों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने इससे पहले सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की छात्रवृत्ति में भी इसी तरह की बढ़ोतरी की थी।इन छात्रावासों में छात्रों को न केवल निशुल्क आवासीय सुविधा, डिजिटल कक्षाएं और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं मिलती हैं, बल्कि प्रति माह 15 किलो अनाज (9 किलो चावल और 6 किलो गेहूं) भी प्रदान किया जाता है। छात्रवृत्ति में यह वृद्धि छात्रों को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अतिरिक्त संबल प्रदान करेगी।

डीएलएड प्रवेश परीक्षा अप्रैल अंत या मई में संभव

3 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने किया आवेदन

बीएनएम @ पटना। बिहार में शिक्षक बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए डीएलएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026 को लेकर महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर के अनुसार, यह परीक्षा अप्रैल के अंतिम सप्ताह या मई के प्रथम सप्ताह में आयोजित होने की प्रबल संभावना है। इस वर्ष अभ्यर्थियों में भारी उत्साह देखा गया है, जहाँ कुल 3,00,8560 आवेदकों ने पंजीकरण कराया है।राज्य के 306 कॉलेजों की 30,800 सीटों पर नामांकन के लिए पारदर्शी ऑनलाइन परीक्षा ली जाएगी। सीटों का वर्गीकरण संतुलित रखा गया है, जिसमें विज्ञान और कला-वाणिज्य वर्ग के लिए 50-50 प्रतिशत सीटें आवंटित हैं, जबकि उर्दू अभ्यर्थियों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। परीक्षा का पैटर्न 120 अंकों का होगा, जिसमें सामान्य हिंदी/उर्दू, गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, अंग्रेजी और तार्किक क्षमता से संबंधित 120 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे।समिति ने स्पष्ट किया है कि जून के अंत तक नामांकन प्रक्रिया पूर्ण कर जुलाई से नया सत्र शुरू कर दिया जाएगा। परीक्षा की आधिकारिक तिथियों की घोषणा अप्रैल में होने की उम्मीद है।

रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा, जय श्रीराम के नारों से गूंजा सुगौली

» हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी, पूरे नगर में भक्तिमय माहौल

बीएनएम @ सुगौली @ मृत्युंजय कुमार पाण्डेय

सुगौली। रामनवमी के अवसर पर नगर पंचायत के धनही स्थित शिवालय से गुरुवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं हिंदू युवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शोभायात्रा में नगर पंचायत, प्रखंड तथा आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। स्थानीय विधायक राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बबलू गुप्ता के नेतृत्व में निकली इस शोभायात्रा में भगवा ध्वज से सजे रथ पर भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और राम भक्त हनुमान की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई। रथ के आगे-आगे गाजे-बाजे, घोड़े और हाथों में भगवा ध्वज लिए सैकड़ों युवा "जय श्रीराम" के उद्घोष से पूरे वातावरण को गुंजायमान कर रहे थे। शोभायात्रा धनही शिवालय से प्रारंभ होकर थाना चौक, बाजार चौक, ताजबाबू चौक, सुगौली गांव, बस स्टैंड चौराहा और मुख्य बाजार होते हुए पूरे नगर पंचायत का भ्रमण कर पुनः शिवालय मंदिर के समीप स्थित स्टेडियम में जाकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा के दौरान विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पुलिसकर्मी जहां सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे थे, वहीं यातायात को भी सुचारू बनाए रखने में जुटे रहे। इसके अलावा स्थानीय समाजसेवियों, स्वयंसेवकों और आम लोगों ने भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए आयोजन को सफल बनाया। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष नीतेश कुमार, अनुज कुमार, विक्की जायसवाल, सुबोध शर्मा, चंदन कुमार, अमित कुमार गुप्ता, सूरज कुमार, गोलू कुमार, भाजपा नेता विकास कुमार शर्मा, अंकुर चौधरी, विहिप के मनोज सिंह, ओमप्रकाश गुप्ता, नूरुल होदा कुरैशी, सुजीत कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता के लिए 'एक देश, एक कानून' समय की मांगः डॉ. प्रेम कुमार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गुजरात में समान नागरिक संहिता लागू करने के निर्णय का पुरजोर समर्थन करते हुए इसे 'एक देश, एक कानून' की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया है। मोतिहारी के पट्टी जसौली गांव में आयोजित 'चंपारण सत्याग्रह महोत्सव' के दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता के लिए पूरे देश में समान नागरिक संहिता का लागू होना अनिवार्य है।डॉ. कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश की जनता उनके साहसी निर्णयों के साथ खड़ी है। इसी क्रम में उन्होंने विपक्षी नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वे जनभावनाओं के विरुद्ध जाकर केवल विरोध की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने सलाह दी कि विपक्ष को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देशहित में सोचना चाहिए।गुजरात सरकार की इस पहल को एक मॉडल बताते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने संकेत दिया कि भविष्य में इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने से नागरिकों के बीच समानता सुनिश्चित होगी। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से दिया गया यह बयान बिहार की राजनीति में भी यूसीसी पर नई बहस छेड़ने के लिए पर्याप्त है।

शिक्षिका हत्याकांडः एकतरफा प्यार में गई जान, आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ पटना

पटना। मुजफ्फरपुर के मुशहरी थाना क्षेत्र में शिक्षिका कोमल हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी राजा कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। 25 नवंबर 2025 को तरौरा पुल के समीप हुई इस सनसनीखेज वारदात की वजह एकतरफा प्यार और प्रतिशोध की भावना सामने आई है। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह कोमल से एकतरफा प्रेम करता था और उसकी उपेक्षा से आहत होकर उसने इस खौफनाक कदम को उठाया।पुलिस ने इस गुत्थी को सुलझाने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और मोबाइल टावर डंपिंग का सहारा लिया, जिससे घटनास्थल पर आरोपी की उपस्थिति पुख्ता हुई। साथ ही, वारदात में प्रयुक्त बाइक भी आरोपी की ही पाई गई। गुप्त सूचना के आधार पर मुशहरी थानाध्यक्ष सुबोध कुमार मेहता और महिला एसआई सुप्रिया ने छापेमारी कर मतलपुर से राजा को दबोच लिया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या के लिए हथियार उपलब्ध कराने वाले एक अन्य युवक को भी हिरासत में लिया गया है।इस घटना ने समाज में बढ़ती हिंसक प्रवृत्तियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अब दोनों आरोपियों के खिलाफ ठोस साक्ष्य जुटाकर कड़ी सजा दिलाने की तैयारी कर रही है।

एसपी शौर्य सुमन ने विभिन्न पुलिस कार्यालयों का किया निरीक्षण

बीएनएम @ बेतिया

» पंजी व साइबर पोर्टलों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

बेतिया। पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने गुरुवार को अनुमंडल पुलिस कार्यालय सदर-2, साइबर थाना बेतिया तथा पुलिस अंचल कार्यालय योगापट्टी का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न पंजीयों और कार्य प्रणाली की गहन समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सबसे पहले एसपी ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 बेतिया कार्यालय का निरीक्षण किया। यहां लूट, गिरोह, डकैती, फिरौती हेतु अपहरण सहित अन्य शाखाओं से संबंधित पंजीयों का अवलोकन किया गया। इसके बाद साइबर थाना बेतिया का निरीक्षण करते हुए एसपी ने अपराध पंजी, गिरफ्तारी पंजी, डाक पंजी, मालखाना पंजी के साथ- साथ साइबर पुलिस पोर्टल और समन्वय पोर्टल की भी समीक्षा की। उन्होंने साइबर अपराधों के त्वरित निष्पादन और तकनीकी दक्षता बढ़ाने पर जोर दिया। वहीं, पुलिस अंचल कार्यालय योगापट्टी में भी लूट, गिरोह, डकैती, अपहरण, अपराध अनुक्रमणी एवं त्रुटि पंजी सहित अन्य अभिलेखों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2, साइबर क्राइम के पुलिस उपाधीक्षक, अंचल पुलिस निरीक्षक योगापट्टी, पर्यवेक्षी पदाधिकारी तथा संबंधित थानों के पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहे। एसपी ने सभी अधिकारियों को कार्य में पारदर्शिता, तत्परता और बेहतर समन्वय के साथ जनता की सेवा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मिथिला की मधुर परंपरा में सजा राम-जानकी विवाह, भक्ति के सागर में डूबे श्रद्धालु

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। प्रखंड क्षेत्र के गुरहां में आयोजित श्रीशतचंडी महायज्ञ के सातवें दिन भक्ति और उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कथा श्रवण से हमारे मन की सारी गंदगी दूर होती है और ऐसे धार्मिक अनुष्ठान समाज में फैली दुर्भावना और आपसी मतभेदों को समाप्त करने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यज्ञ से समस्त विश्व का कल्याण होता है और "विश्व कल्याण हो" के उद्घोष से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाता है। उन्होंने इस आयोजन में सभी वर्गों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम हर वर्ष आयोजित होने चाहिए। इस गरिमामयी अवसर पर शिक्षाविद प्रभाकर मिश्रा, अरविंद मिश्रा, मुखिया प्रतिनिधि ऐश्वर्य मिश्रा, यज्ञ समिति के अध्यक्ष रामनिवास पांडेय और सरपंच धनंजय चौबे भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक विवेक पांडेय और छोटा सर द्वारा किया गया, जिसमें ग्रामीणों का सहयोग अनुकरणीय रहा। यज्ञ के सातवें दिन की रामलीला में मिथिला पद्धति से राम-जानकी विवाह का अत्यंत मनोहारी मंचन किया गया। मिथिला के पारंपरिक मधुर गीतों और वैवाहिक गालियों से पूरा पंडाल गूंज उठा। राजा दशरथ के चारों पुत्रों के विवाह का दृश्य दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मंचन की दिव्यता ऐसी थी कि श्रद्धालु भक्ति में झूमने लगे और ऐसा प्रतीत होने लगा मानो त्रेतायुग का वास्तविक विवाह उत्सव धरती पर उतर आया हो। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस मनमोहक प्रस्तुति का आनंद लिया और जयकारों से आसमान गुंजायमान कर दिया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में यज्ञाचार्य पंडित मदन शास्त्री, संयोजक संजीव कुमार मिश्रा, सहसंयोजक रामकिशोर प्रसाद चौरसिया, चंद्रभूषण पाठक, संजय पांडेय, प्रमोद पांडेय, केशव पांडेय, प्रकाश मिश्रा, नवनीत पांडेय, केपी चौरसिया, मोहन भगत, सोनू भगत, पलटू ठाकुर, प्रमोद मिश्रा, चंद्र किशोर मिश्रा, सुजीत नाथ तिवारी, जमुना साह, शिक्षक अनिल कुमार, अभिमन्यु पाठक, अंकल मिश्रा, प्रमोद राय और रेणु कुमारी सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। पूरे आयोजन ने भक्ति, संस्कृति और सामाजिक एकता की एक नई मिसाल पेश की है।

जिले में 20 हजार से अधिक सिलेंडरों का स्टॉक

पैनिक न हों उपभोक्ता

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि जिले में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण के खिलाफ प्रशासन बेहद सख्त है। उन्होंने बताया कि आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और वर्तमान में 20,580 सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। आपूर्ति प्रबंधन की मजबूती का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बीते दिन ही 9,324 सिलेंडरों की डिलीवरी सुनिश्चित की गई है।उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए प्रशासन पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। कुल प्राप्त 35 शिकायतों में से सर्वाधिक 29 बेतिया से, जबकि नरकटियागंज और बगहा से 3-3 मामले सामने आए हैं। इन सभी शिकायतों को संबंधित एसडीएम को भेजकर त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए गए हैं। श्री सिन्हा ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या पैनिक की स्थिति में न आएं, क्योंकि प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है और सुचारु आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

कोऑपरेटिव कोचिंग सेंटर में निबंध प्रतियोगिता

» 500 बच्चों ने उकेरा देश के नायकों का चरित्र चित्रण

बीएनएम @ बगहा

बगहा : बगहा-2 स्थित नारायणपुर कोऑपरेटिव कोचिंग सेंटर में श्री सत्य साईं सनातन धर्म ट्रस्ट और प्लांजरी फाउंडेशन, हैदराबाद के सौजन्य से एक भव्य निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित इस परीक्षा में कक्षा सातवीं से लेकर इंटरमीडिएट तक के लगभग 500 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी में देशभक्ति, देवभक्ति और राष्ट्रनायकों के प्रति सम्मान जागृत करना था। बच्चों ने सरदार वल्लभभाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और रानी लक्ष्मीबाई जैसे महान व्यक्तित्वों के जीवन और उनके आदर्शों पर अपने विचार लिपिबद्ध किए।विशेष रूप से, छात्रों ने भविष्य के नागरिक के तौर पर अपनी भूमिका को स्पष्ट करते हुए लिखा कि 18 वर्ष की आयु होने पर वे जातिवाद और परिवारवाद से मुक्त, स्वच्छ छवि वाले राष्ट्रभक्तों को ही अपना मत देंगे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री सत्य साईं के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर स्वामी दिव्यानंद गिरि, गिरींद्र पांडेय और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। परीक्षा के बाद बच्चों को उपहार स्वरूप कॉपियां और स्वल्पाहार वितरित किया गया। स्वामी दिव्यानंद गिरि ने घोषणा की कि आगामी मई माह में इसे और भी व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें नगर के सभी बच्चों को शामिल करने और नकद पुरस्कार देने का लक्ष्य रखा गया है।

कर्तव्यहीनता के आरोप में सीओ पर कार्रवाई की तैयारी

» प्रशासन ने सीओ से मांगा 15 दिनों में साक्ष्य

बीएनएम @ बगहा

बगहा : बगहा में लोक शिकायत निवारण कार्यालय ने जिला पदाधिकारी के आदेश की अवहेलना करने पर अंचलाधिकारी (बगहा-1) के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की है। यह प्रकरण मुरली निवासी मो. दिलशाद आलम की शिकायत से संबंधित है, जिसमें गैरमजरूआ आम रास्ता भूमि से अतिक्रमण हटाने का मुद्दा उठाया गया था। जिला पदाधिकारी के स्पष्ट आदेश के बावजूद तीन वर्षों से अतिक्रमण नहीं हटाया गया।जांच में पुष्टि हुई कि लक्ष्मण और त्रिवेणी मुसहर ने रास्ते पर अवैध कब्जा कर रखा है और उनके पास पहले से अपना आवास उपलब्ध है, अतः उन्हें वासविहीन नहीं माना जा सकता। लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने पाया कि वर्तमान अंचलाधिकारी ने बिना किसी वैध कारण के पुराने आदेशों को लंबित रखा। कार्यालय ने अब 15 दिनों के भीतर अतिक्रमण हटाकर साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को विस्तृत जांच की अनुशंसा भेजी गई है। फिलहाल, अंचलाधिकारी के हड़ताल पर होने के कारण उनका पक्ष स्पष्ट नहीं हो सका है।

लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़

मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं, क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष ने संसदीय कार्यवाही के संचालन में अपने प्रति भेदभाव के साथ-साथ सत्ता पक्ष से स्पीकर की मिलीभगत का आरोप खुल कर लगाया। जैसा अनुमान था, अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया गया। मगर जिस रोज ये हुआ, उसी दिन विपक्ष के 180 सांसदों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पेश होने वाले अविश्वास प्रस्ताव पर दस्तखत कर दिए। अब इस प्रस्ताव को दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। विचार के लिए प्रस्ताव के स्वीकार होने की प्रक्रिया लंबी है, इसलिए इस पर बहस के लिए (अगर वो हुई तो) अभी इंतजार करना पड़ेगा।

वैसे, चर्चा हुई भी, तो यह अनुमान पहले से लगाया जा सकता है कि इसका हश्र स्पीकर के खिलाफ पेश प्रस्ताव से अलग नहीं होगा। कारण संसदीय गणित है। आज के माहौल में इसकी उम्मीद तो नहीं की जा सकती कि सत्ता पक्ष चुनाव प्रक्रिया की स्वच्छता एवं निष्पक्षता की व्यापक अपेक्षाओं को अपने दलगत हित पर तरजीह देकर समझने का प्रयास करेगा कि विपक्ष आखिर संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति से इतना ख़फ़ा क्यों है? और यही समस्या की जड़ है। मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। उसे मतदाताओं की गोलबंदी की अपनी क्षमता पर इतना भरोसा है कि व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता। नतीजा, अब तक राजनीतिक विवाद से परे माने जाने जानी संवैधानिक संस्थाएं और उनमें पदासीन प्राधिकारी अब रोजमर्रा की सियासत का मुद्दा बन गए हैं। उनको लेकर जनमत बंटता चला गया है। लोकतंत्र के दीर्घकालिक भविष्य के लिए इससे ज्यादा चिंताजनक बात कोई और नहीं हो सकती। अगर राजनीतिक समूह और जनमत के एक बड़े दायरे का मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं स्पीकर पर यकीन नहीं है, तो उससे चुनाव एवं संसदीय प्रक्रियाएं लांछित हो जाती हैं। जो लोग इसके खतरे को आज गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, वे इस देश के लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

नित्य अविनाशी दयानिधि भगवान श्री राम

संजय गोस्वामी

(रामनवमी पर विशेष)

राम नवमी 2026, 26 मार्च को है, जिसे उपवास, प्रार्थना और रामायण पढ़ने के साथ मनाया जाता है।जो नित्य, अविनाशी, आदि पुरुष, परब्रह्म राम है वे ही हृदय में रहते हैं। प्रकट करने के लिए स्वयं को प्रयास करना होगा। दूसरे का इसमें कोई रोल नहीं है। अपका स्वरूप परमचेतन ब्रह्म है, उनसे प्रत्यक्ष होना स्वयं पर निर्भर है।

ऋषियों द्वारा और बाद के संतों ने भी अपनी शब्दों में राम को ,सत्य नाम का वर्णन किया है यह जो उल्टा नाम जपे जग जाना यह कोई व्यक्ति विशेष का नाम नहीं यह नाम राम ही प्रभु को ही नाम कहा है उसी का सुमिरन सुरती को उलट कर संत अपने आत्मा में अनुभव करते हैं यह साधना का विषय है अनुभव का विषय है जीव सनातन ईश्वर का अंश है उसी प्रकृति के कारण सदैव आनन्द की तलास में रहता है। इस प्रकिया में कभी स्त्री पुत्र से तो कभी धन सम्पत्ति से तो कभी स्वादिष्ट पदार्थों से सदैव आनन्द प्राप्त करने में सतत् लगा रहता है, परंतु उपरोक्त सभी आनन्द क्षणिक होते हैं। और नये आनन्द के प्रयास में लग जाता है। जीवन के आखिरी क्षण तक सतत् यही प्रयास चलता रहता है। वास्तव में पदार्थों में आनन्द है ही नहीं केवल आनन्दका आभास है, वह उसे भोगने के बाद मिट जाता है। इसलिए जो आत्मानन्द जो स्वयं का स्वरूप है, जबतक इसमें स्थित नहीं होंगे तबतक पूर्ण आनन्द नहीं मिलेगा।जब आप बुलंदी पर रहते हैं तो सब अच्छा लगता है लेकिन जब आप दुःख में रहते हैं तो पहले अपनी बात लोगों को बताने पर लोग आपकी मदद करते थे लेकिन अब समय वैसा नहीं है अगर दुःख की बात करेंगे तो आपकी ही गलती निकालेंगे या परिवार को बदलने की सलाह देंगें और फिर जब कुछ समझ नहीं आता तो अन्त में लोग आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाते हैं अतः आज व्हाट्सप्प का युग है डेली प्रवचन होता है और आपस में लड़ाई भी यानि आज लोग खुद अपने दुःखो से परेशान है आखिर आपका दुःख क्यों सुने समय नहीं लोग आज बदल गए हैं अतः आप अपनी बात दुःख में किसी से शेयर करेंगे तो लोग मज़ाक ही नहीं हवा की तरह पूर्ण समाज में फैलती है लेकिन आपको यानि मानव को भगवान राम ने असीमित शक्ति प्रदान की है जो जीवन में गलत कर्मों या कष्ट में बचाता है जब लंका पार करने की बात आती है तो ऋक्षराज जाम्बवान् ने श्री हनुमानजी से कहा- हे हनुमान्! हे बलवान्! सुनो, तुमने यह क्या चुप साध रखी है? तुम पवन के पुत्र हो और बल में पवन के समान हो। तुम बुद्धि-विवेक और विज्ञान की खान हो॥2॥

कवन सो काज कठिन जग माहीं।
जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं॥
राम काज लगि तव अवतारा।
सुनतहिं भयउ पर्बताकारा॥3॥

जगत् में कौन सा ऐसा कठिन काम है जो हे तात! तुमसे न हो सके। श्री रामजी के कार्य के लिए ही तो तुम्हारा अवतार हुआ है। यह सुनते ही हनुमान्जी पर्वत के आकार के (अत्यंत विशालकाय) हो और हनुमान जी विशाल रुप से उड़ते हुए लंका पार कर जाते हैं अतः जीवन में गलत कर्मों से विभिन्न समस्याओं और जटिलताओं को जन्म दे सकता है, जिनमें शामिल हैं:

गिरना और चोट लगना और सम्भलने की ताकत : चक्कर आने से गिरने और चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है, खासकर बुजुर्गों में होता लेकिन कभी कभी आदमी के सोचने और हरबड़ाहट के कारण भी गिर जाता है भगवान राम का ध्यान करने से आप संयम से काम लेते हैं जैसे जैसे जब भगवान राम के भाई भरत उन्हें मनाने आते हैं तो भ्राता लखण के मन में लड़ने की धारणा बनती है लेकिन भगवान राम ने लक्ष्मण को समझाते हैं की उसकी धारणा प्रेम की है श्री राम का विश्वास किसी एक घटना या सबूत पर आधारित नहीं था, बल्कि भरत के संपूर्ण चरित्र और स्वभाव की जीवन भर की समझ पर टिका था। वे जानते थे कि भरत का मूल स्वभाव धर्म, प्रेम और त्याग का है।अतः जब त्याग की भावना आएगी तब आप हरबड़ाहट में नहीं शांति और धैर्य से काम लेंगे जिससे आप संयम से काम लेंगे जिससे आप ना तो गिरेंगे और ना ही चोट लगेगी क्योंकि भगवान राम अपने भक्तो को हर समय सँभलने का मौका देता है जैसा लगेगा की आपको अपने गोद में ही ले लिया।

जीवन की गुणवत्ता में कमी को दूर करना : बार-बार या लंबे समय तक चक्कर आना किसी व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है, जिससे जीवन की गुणवत्ता कम हो सकती है।जीवन की गुणवत्ता अच्छी होंगी आप बुरे लोगों से आसानी से पीछा छुड़ा लोगे आप राम जी के जीवन से यह सिख ले सकते हैं कि अपने लक्ष्य का पीछा तब तक न छोड़ें, जब तक की आप उसे प्राप्त न कर लें। क्योंकि अगर आप पूरी मेहनत और लगन के साथ लक्ष्य प्राप्ति में लग जाते हैं, तो वह आपको हासिल होकर ही रहता है। रामकथा से भी हमें यही सीख मिलती है कि अंत में सफलता जरूर मिलती है।

चिंता और अवसादः लगातार चक्कर आने से भावनात्मक परेशानी हो सकती है, जिससे चिंता और अवसाद हो सकता है।चिंता विकार हमें उन स्थितियों में भी चिंतित कर देते हैं जहां दूसरों को खतरा महसूस नहीं होता।भगवान राम का ध्यान करने से अपने आप ही चिंता मिलेगी और आप हमेशा खुश रहेंगे। चक्कर आने के कारण भारी मशीनरी चलाना या चलाना असुरक्षित हो सकता है, जिससे स्वयं और दूसरों के लिए खतरा पैदा हो सकता है।किसी एक ध्येय पर विचार करके भगवान राम का ध्यान और समाधि तीनों होने से संयम कहलाता है।

काम या सामाजिक गतिविधियों छूट जाने पर उत्साह : चक्कर आने के कारण कार्यदिवस छूट सकता है और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी कम हो सकती है।लेकिन जो भगवान राम के चरणों में बार बार ध्यान करता है उसे पुनः एक नई ऊर्जा मिलती है और फिर बीते समय को भूल कर अपने अच्छे काम के कारण पुनःसामाजिक गतिविधियों में उसका काम भी कुछ ऐसा होता है कि पुनः लोग उसकी प्रशंसा करते हैं अतः राम हमें हारने नहीं काम में हुई गलती को बारीकी से समझने का मौका देता है जिससे पुनः नया उत्साह आता है। अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियों में सुधार : चक्कर आना अंतर्निहित चिकित्सा समस्याओं का एक लक्षण हो सकता है, जिनमें से कुछ के लिए विशिष्ट उपचार की आवश्यकता हो सकती है।लेकिन जो भगवान राम का ध्यान करता है वो पुनः कार्य को दुगनी गति से बढ़ाता है और संयम से काम लेता है घबराहट जरूर दूर होगी चक्कर आना यानि मनोस्थिति ख़राब होना है लेकिन यदि भगवान राम का साथ मिला तो मनोस्थिति ठीक होती है, और मन पर नियंत्रण होने से मन उसमें रमने लगता है और फिर आपको किसी की आपको जरुरत नहीं पड़ेगी।

दवा के दुष्प्रभाव में सुधार : चक्कर आने का इलाज करने के लिए उपयोग की जाने वाली कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव या अन्य दवाओं के साथ परस्पर क्रिया हो सकती है।इसलिए दवाई सही इलाज नहीं है बल्कि मानसिकता को ठीक करना चाहिए और मैं खुद इसका भुक्तभोगी हूँ 2017 में मुझे हार्ट में प्रॉब्लम हुआ हाथ उठाने और मोड़ने में परेशानी हुई हार्ट के डॉक्टर ने खुब टेस्ट कराया और एन्जोयोग्राफी हेतु सलाह दि उधर कुछ एमडी के छात्र भी जानना चाहते थे इसलिए मुझे ऐ समझ आ गया कि ऐ लोग इलाज नहीं बल्कि अपने दिल से खिलवाड़ करेंगे और आखिर प्रैक्टिकल कैसे करेंगे अतः मैं वहां से भागा और सब चिंता, लोगों को जितना बेवकूफ बनाकर लूटना है लूटो आखिर कब तक करोगे और ईश्वर के ध्यान और नकारात्मक लोगों से दूर रहकर शान्ति से भगवान राम का ध्यान किया और बाद में नार्मल हो गया अतः ईश्वर ने बॉडी में रिपेरिंग सिस्टम भी दि है लेकिन यह बहुत ध्यान और शांति से आता है।।।इस देह रूपी लंका का वास्तविक उत्तराधिकारी जीव रूपी विभीषण है। पर यह जीव रूपी विभीषण, मोह रूपी रावण, अहंकार रूपी कुम्भकरन, काम रूपी मेघनाद और वासना रूपी सूर्पनखा के वशीभूत है।जिससे ऐ बीमारी पैदा होती है। रामचरितमानस कोई कहानी की किताब नहीं है, अपने मानस में, मन में देखा गया राम चरित्र है। हमें भी मानस के पात्रों को व्यक्ति रूप में नहीं, अन्तःकरण की वृत्ति के रूप में देखना पड़ेगा। देहे, तुलसीदास जी विनय पत्रिका में लिखते हैं-

अपारे संसारे विषय विष पूरे जलनिधि
रचित मन दनुज मय रूप धारी

माने विषय वासना के जल से भरा यह संसार ही सागर है। इस संसार-सागर में, आपका मन ही मय दानव है, इसी के द्वारा रचित यह आपका शरीर ही लंका है। जीव-विभीषण, भगवान राम का टूटा फूटा भजन तो करता है, पर अपनी आँखों से मोहादि के, सब प्रकार के अनाचार दुराचार पापाचार को देखता हुआ भी, मोह की सत्ता का विरोध नहीं करता। भगवान राम के प्रभाव से जीव के करोड़ों जन्मों का किया हुआ पुण्य, फल देने को खड़ा होता है,और मनुष्य के रूप में जन्म लेता है तब उसके जीवन में हनुमान रूपी संत आते हैं, तब ही जीव रूपी विभीषण को साहस होता है और वह मोहादि को चुनौती देता है। वह मोह रूपी रावण की लात तो खाता है, पर अन्ततः गिरता पड़ता भगवान की शरण में जाता है। भगवान अंतःकरण में अवतरित होकर, उतर कर, मोहादि का नाश कर देते हैं। और शान्ति रूपी सीता, जो मोह के कारण, हृदय रूपी अशोक वाटिका में बन्दी पड़ी थी, बंधन से मुक्त हो जाती है। यही ख़ुश रहने का सरल उपाय है जिससे चक्कर कभी नहीं आ सकता है जो रेकी चिकित्सा के द्वारा सकारात्मक ऊर्जा से ठीक हो जाता है अतः भगवान राम को भजो अपनी श्रद्धा से और रामायण का पाठ करने से चिंता जैसी कोई समस्या नहीं होगी।योगी इस अवस्था में भली भांति समझ लेता है कि शरीर के अंग किस तरह से सूक्ष्म अवस्था से स्थूल अवस्था में परिणत होते हैं और किस प्रकार पुनः स्थूल से सूक्ष्म किये जा सकते हैं । अतः वह अपने शरीर को अत्यन्त हल्का बनाकर आकाश में गमन कर सकता है ।यहीं राम की महिमा है जो हनुमान जी ने शरीर को इतना हल्का कर लिया कि पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल शून्य हो जाता है और समुद्र पार कर लेते हैं। हल्का मतलब हर विकार से मुक्त हो गए और एक साहस जो भगवान राम के कार्य हेतु है जो अपरम्पार शक्ति है।

दुनिया एक रंगमंच है और हम सब बस एक किरदार

ऋतुपर्ण दवे

(27 मार्च विश्व रंगमंच दिवस पर विशेष)

वास्त्व में रंगमंच जीवंत कला को समझने.सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरुआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान;आईटीआईद्ध द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में थ्यिएटर ऑफ नेशंसष् सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमोंए प्रस्तुतियोंए वार्ताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक.अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिकए सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता हैए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरुआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखकए नाटककार और निर्देशक थेए उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्षए थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता हैए जो प्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष् यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओंए मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दर्शाता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण करए चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है।

चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करनाए इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओंए प्रदर्शनों और चर्चाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिनए भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता हैए बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावाए रंगमंच रचनात्मकए आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता हैए जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान.प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकरए रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता हैए जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है।

रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमेंए हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियांए संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी होए कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करेंए कैसे नई दिशा और दृष्टि देकरए सुधार ला सकें।

भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के ष्नाट्य शास्त्रष् द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठए गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटकए पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं। भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वर्गीकृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्रायः हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है।

भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनयए निर्देशनए परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफरए आर्ट डायरेक्टरए स्क्रिप्ट लेखकए सेट डिजाइनरए लाइटए साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं। महान अंग्रेजी नाटककारए कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैंए जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564.1616 के दौरान लिखे थे। ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया। शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने.मानेए प्रभावी व्यक्तित्व हैं। उनके लिखे शब्द श्सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष.महिलाएं महज कलाकार हैं।श् शेक्सपियर ने हैमलेटए रोमियो.जूलियटए मैकबेथ जैसे 38 से अधिक नाटक और कई सॉनेट लिखे। जीवन वास्तव में एक दार्शनिक सत्यए तथ्य और रंगमंच है जिसमें बाल अवस्था से वृध्दावस्था और मृत्यु तक हमारे ढ़ेरों किरदार होते हैं। कोई नायकए कोई खलनायकए कोई विदूषकए तो कोई विचारक होता है। हम अपने जीवन के अलग.अलग चरणों में भिन्न.भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं।

इस वर्ष 64वां विश्व रंगमंच दिवस शुक्रवार 25.27 मार्च तक लक्जमबर्ग में हो रहा है। विषय प्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष् हैए जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवादए सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में जीवंत प्रदर्शन की भूमिका पर जोर देता है। इस संदेश को जाने.माने अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो ने लिखा हैए जिसमें रंगमंच के साझा मानवीय अनुभवए चिंतन और नैतिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया है। सच में रंगमंच हमें अपने जीवन में नई सीखए समझ के साथ हर दिन जीने की प्रेरणा देता है। हमें थिएटर जाना चाहिएए लोगों को प्रेरित भी करना चाहिए। थिएटर के मर्मए धर्म और सत्य को समझना.स्वीकारना चाहिए। जिंदगी में अपने किरदार को पहचानना और जरूरत पड़ने पर बदलना भी चाहिए शायद यही सच्चा थिएटर होगा।

मेष राशिः आज का दिन अकस्मात लाभ की प्राप्ती कराएगा लेकिन ध्यान रखें लापरवाही से कार्य करने पर आज जो विचार में नही रहेगा वह घटना घट सकती है। मध्यान तक का समय मानसिक रूप से शांति प्रदान करेगा। आध्यात्मिक आयोजनों में सम्मिलित होंगे धर्म कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी लेकिन अन्य व्यस्तता के चलते चाह कर भी अधिक समय नही दे सकेंगे।

वृष राशिः आज का दिन पूर्वार्ध में अस्त व्यस्त रहेगा लेकिन आज आपके सभी कार्य सही दिशा में आगे बढ़ेंगे मध्यान तक व्यक्तिगत अथवा अन्य कारणों से व्यवसायिक कार्यो में विलंब होगा। लेकिन धीरे धीरे गाड़ी पटरी पर आने लगेगी व्यवसाय में थोड़ी तेजी मंदी लगी रहेगी कुछ समय के लिये मानसिक बेचैनी बनेगी लेकिन संध्या तक धन की आमद संतोष जनक हो जाएगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आशानुकूल रहने से दिन भर प्रसन्न रहेंगे आज आपकी दिनचार्य व्यवस्थित नही रहेगी फिर भी सौभाग्य वृद्धि के योग बनने से सभी तरह से खुशहाली मिलेगी। काम-धंधा दिन के आरंभ से मध्यान तक इसके बाद संध्या से रात्रि तक प्रगति पर रहेगा। आज आपके द्वारा गलती से किया कार्य भी कुछ ना कुछ लाभ ही देकर जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

कर्क राशिः आज का दिन बनते कार्यो में विघ्न खड़े करेगा। दिन का पहला भाग शांति से व्यतीत करेंगे लेकिन इसके बाद किसी ना किसी उलझन में फंसते ही रहेंगे जिस भी कार्य को करने का मन बनाएंगे वह किसी ना किसी अभाव के कारण आरम्भ नही हो सकेगा।

सिंह राशिः आज के दिन सार्वजिनक कार्यो आपका महत्त्वपूर्ण योगदान स्वयं के साथ परिजनों का भी मान बढ़ाएगा किसी अपरिचित से कहासुनी भी हो सकती है धैर्य से काम लें। मध्यान तक घरेलू अथवा अन्य कार्यो में व्यस्त रहेंगे जिससे व्यवसायिक कार्यो में फेरबदल करना पड़ेगा। ।

कन्या राशिः आज परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी भाग्य का साथ भी मिलने से सोची हुई योजनाए निर्विघ्न पूर्ण कर सकेंगे। दिन के आरंभ में घर मे पूजा पाठ के कारण भाग-दौड़ करनी पड़ेगी लेकिन इसका आध्यत्मिक लाभ भी किसी ना किसी रूप में अवश्य मिलेगा। मन के आज शांत रहने से किसी भी कार्य को बेहतर रूप से कर सकेंगे कार्य व्यवसाय में विलंब के बाद भी धन लाभ के अवसर मिलते रहेंगे धन लाभ थोड़े थोड़े अंतराल पर होते रहने से संतुष्ट रहेंगे।

तुला राशिः आज का दिन शुभफलदायक रहेगा। दिन के पूर्वार्ध और अंत मे शुभ कर्म के लिये प्रेरित होंगे घर मे मांगलिक आयोजन होने से नई ऊर्जा का संचार होगा। कार्य व्यवसाय से भी आज निराश नही होना पड़ेगा परिश्रम के अनुसार लाभ अवश्य मिल जाएगा। धन संबंधित उलझन भी आज थोड़ी कम रहने से राहत मिलेगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन प्रतिकूल रहेगा खराब सेहत आज प्रत्येक कार्य मे बाधक बनेगी फिर भी जबरदस्ती कार्य करेंगे जिससे कम समय मे अधिक थकान बनेगी। घर का वातावरण भक्तिमय रहेगा पूजापाठ आदि में सम्मिलित होने के अवसर सुलभ होंगे परन्तु मानसिक रूप से आज किसी भी कार्य मे उत्साह नही रहेगा। कार्य क्षेत्र पर भी व्यवहारिकता मात्र रहेगी मजबूरी में किये गए कार्य फलित नही होंगे सीमित साधन से काम निकालना पड़ेगा।

धनु राशिः आज आपका मानसिक संतुलन स्थिर नही रहेगा असमंजस की स्थिति के कारण पल पल में निर्णय बदलेंगे इससे कार्य विलंब के साथ अन्य लोगो को परेशानी होगी फिर भी स्वार्थी पूर्ति के कारण आज आपसे कोई शिकायत नही करेगा। मन आज अनैतिक कार्यो में जल्दी आकर्षित होगा स्वभाव में भी उदण्डता रहेगी बिना कलह किये किसी कार्य को नही करेंगे।

मकर राशिः आज का दिन धन-धान्य में वृद्धि करने वाला रहेगा। दिन का आरंभिक भाग घरेलू व्यस्तता के कारण व्यावसायिक कार्यो से लाभ नही उठा सकेंगे। लेकिन मध्यान बाद से स्थिती पूर्ण रूप से आपकी पकड़ में रहेगी बाजार में तेजी रहने से लाभ के अवसर मिलते रहेंगे प्रतिस्पर्धा भी आज कुछ अधिक रहेगी लेकिन आपके व्यवसाय पर इसका ज्यादा असर नही पड़ेगा धन लाभ आज निश्चित ही आशाजनक रहेगा।

कुंभ राशिः आज के दिन आप अपनी कमियों को छुपाने का प्रयास करेंगे। लोगो के आगे अपनी बुद्धि चातुर्य का प्रदर्शन करेंगे बाहर से व्यवहारिकता लेकिन अंदर से ईर्ष्या और अहम की भावना रहेगी। परिजन को छोड़ अन्य सभी लोग आपकी मनगढंत बातो के झांसे में आसानी से आ जाएंगे लेकिन पोल खुलने के बाद लोगो का आपके ऊपर से विश्वास कम होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिये विपरीत फलदायक रहेगा। परिवार के सदस्य आपसे अधिक सहयोग की अपेक्षा रखेंगे लेकिन टालमटोल करने पर घर का वातावरण खराब होगा। कार्य क्षेत्र पर लाभ की उम्मीद लगाए रहेंगे परन्तु आज मानसिक रूप से अशान्त रहने के कारण वहां से भी सकारात्मक परिणाम नही मिल सकेंगे फिर भी धन संबंधित उलझन अकस्मात लाभ होने से कुछ हद तक शांत रहेंगी।

कला, अभिव्यक्ति और बदलाव का माध्यम-थिएटर (रंगमंच)

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 27 मार्च को विश्व रंगमंच दिवस (वर्ल्ड थिएटर डे) मनाया जाता है। वास्तव में,इसकी शुरुआत वर्ष 1961 में इंटरनेशनल थिएटर इंस्टीट्यूट (आइटीआइ) द्वारा की गई थी, जो यूनेस्को से जुड़ा एक प्रमुख सांस्कृतिक संगठन है।पाठक जानते होंगे कि रंगमंच(थिएटर)को समाज का दर्पण कहा जाता है, क्योंकि यह केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है, बल्कि यह विचार, संवेदना और सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम है।सच तो यह है कि थिएटर लोगों को सोचने, महसूस करने और बदलाव की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। यह विभिन्न देशों की संस्कृतियों, वहां के लोगों के विचारों और उनके संघर्षों को समझने में सहायता करता है तथा वैश्विक तनाव, युद्ध और सामाजिक विभाजन के दौर में मानवता को जोड़ने वाली कला के रूप में कार्य करता है। साथ ही, यह शिक्षा, साक्षरता, संवाद, सहिष्णुता और शांति को बढ़ावा देता है।सरल शब्दों में कहें तो रंगमंच वह मंच है, जहाँ अभिनय, संवाद, संगीत, नृत्य और भाव-भंगिमाओं के माध्यम से किसी कथा या विचार को जीवंत रूप दिया जाता है। अर्थात् यह साहित्य, कला और समाज का अनूठा संगम है। रंगमंच के महत्व के बारे में समझाते हुए अंग्रेजी भाषा के महान नाटककार विलियम शेक्सपियर ने प्रसिद्ध नाटक ऐज यू लाइक इट में यह बात कही थी कि-सारी दुनिया एक रंगमंच है, और सभी स्त्री-पुरुष केवल पात्र हैं। वास्तव में, इस विचार के माध्यम से शेक्सपियर बताते हैं कि पूरा संसार एक रंगमंच के समान है, जहाँ हर व्यक्ति एक अभिनेता की तरह अपनी-अपनी भूमिकाएँ निभाता है। जीवन के अलग-अलग चरण-बचपन, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और बुढ़ापा-मानो किसी नाटक के विभिन्न दृश्य हैं, जिनमें इंसान समय के अनुसार अपने किरदार बदलता रहता है। इस प्रकार रंगमंच केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि मानव जीवन और समाज का सजीव प्रतिबिंब भी है। भारतीय रंगमंच के इतिहास की यदि हम यहां पर बात करें तो भारतीय रंगमंच का इतिहास अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और बहुआयामी है, जिसकी जड़ें वैदिक काल तक जाती हैं। उस समय यज्ञ, मंत्र, सामगान और धार्मिक अनुष्ठानों में संवाद, अभिनय, संगीत और नृत्य के प्रारंभिक रूप दिखाई देते हैं। इस परंपरा को व्यवस्थित स्वरूप देने का श्रेय भरतमुनि को जाता है, जिन्होंने नाट्य शास्त्र की रचना की। पाठकों को बताता चलूं कि यह ग्रंथ अभिनय (आंगिक, वाचिक, आहार्य, सात्त्विक), रंगमंच संरचना, संगीत, नृत्य और रस सिद्धांत का विस्तृत विवेचन करता है।इसके बाद संस्कृत नाटकों का स्वर्णकाल आया, जिसमें कालिदास, भास और शूद्रक जैसे नाटककारों ने अभिज्ञानशाकुंतलम्, स्वप्नवासवदत्तम् और मृच्छकटिकम् जैसे महान नाटकों की रचना की। वास्तव में, इन रचनाओं में प्रेम, प्रकृति, नीति और मानवीय भावनाओं का सुंदर चित्रण मिलता है।मध्यकाल में रंगमंच(थिएटर) लोकजीवन से जुड़ गया और रामलीला, रासलीला, नौटंकी, यक्षगान और जत्रा जैसे लोकनाट्य विकसित हुए। इसी समय कथकली, कुचिपुड़ी और भरतनाट्यम जैसी नृत्य-नाट्य परंपराएँ भी विकसित हुईं, जिनमें वेशभूषा, मुखाभिनय और मुद्राओं के माध्यम से कथा प्रस्तुत की जाती है।आधुनिक काल में, विशेषकर ब्रिटिश शासन के दौरान, पाश्चात्य रंगशैली का प्रभाव पड़ा। इस दौर में यथार्थवाद, सामाजिक आलोचना और प्रयोगधर्मिता बढ़ी। उल्लेखनीय है कि हबीब तनवीर, विजय तेंदुलकर और गिरीश कर्नाड जैसे रंगकर्मियों ने सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय मुद्दों को मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रकार भारतीय रंगमंच ने वैदिक परंपरा से लेकर आधुनिक प्रयोगधर्मी रूप तक लंबी यात्रा तय की है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य रंगमंच और कलाकारों के महत्व को समझाना और बढ़ावा देना है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य क्रमशः रंगमंच कला के प्रति जागरूकता फैलाना, विभिन्न कलाकारों, लेखकों और तकनीकी कर्मियों के योगदान को सम्मान देना, सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय मुद्दों पर संवाद स्थापित करना है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2025 की थीम-थिएटर और शांति की संस्कृति रखी गई थी।इसका अर्थ है कि थिएटर के माध्यम से शांति, सह-अस्तित्व और संवाद को बढ़ावा देना। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इसका मुख्य फोकस वैश्विक सहभागिता और सांस्कृतिक संवाद पर रहा है। यहां यह भी गौरतलब है कि वर्ष 2026 में विश्व रंगमंच दिवस का 64वाँ आयोजन 25-27 मार्च के बीच लक्जमबर्ग शहर में किया गया। यह आयोजन आइटीआइ के जनरल सेक्रेटेरिएट और लक्ज़मबर्ग सेंटर के सहयोग से थिएटर फेडरेशन के साथ आयोजित किया गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम मंच(प्रदर्शन)कला दिवस के अंतर्गत हुआ और थिएटर फेडरेशन की 30वीं वर्षगांठ भी इसी दौरान मनाई गई। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष का आधिकारिक संदेश प्रसिद्ध अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफ़ो द्वारा लिखा गया, जिन्हें चार बार अकादमी अवार्ड्स के लिए नामांकन मिला है तथा वर्ष 2018 में वेनिस फ़िल्म महोत्सव में कोप्पा वोल्पी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पाठकों को बताता चलूं कि आइटीआइ की स्थापना 1948 में हुई थी और इसका मुख्यालय पेरिस में स्थित है। इसके विश्वभर में 85 से अधिक केंद्र हैं। विश्व रंगमंच दिवस पर हर वर्ष एक प्रतिष्ठित कलाकार द्वारा संदेश दिया जाता है तथा वर्ष 1962 में पहला संदेश जीन कोक्टो ने दिया था। वर्ष 2002 में भारत के गिरीश कर्नाड को यह सम्मान मिला,जो महान नाटककार रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह संदेश 50 से अधिक भाषाओं में अनुवादित किया जाता है।कहा जाता है कि महान् कवि/लेखक कालिदास ने 'मेघदूत' की रचना भारत की पहली नाट्यशाला में की थी, जो छत्तीसगढ़ के रामगढ़ पहाड़ (अंबिकापुर क्षेत्र) में स्थित मानी जाती है। हमारे पुराणों में भी यम, यमी और उर्वशी जैसे पात्रों के संवादों में नाट्य तत्वों के प्रारंभिक संकेत मिलते हैं।भारतीय रंगमंच में नृत्य और नाटक का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। आज रंगमंच का प्रभाव फिल्मों, वेब-सीरीज और डिजिटल माध्यमों में भी देखा जा सकता है। थिएटर ने कई सच्ची घटनाओं और सामाजिक मुद्दों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है। भारत में फिल्मों का व्यापक प्रभाव है। पाठक जानते होंगे कि साल 1957 में मदर इंडिया, 1988 में सलाम बॉम्बे तथा 2001 में लगान जैसी फिल्मों को प्रतिष्ठित ऑस्कर के लिए नामांकित किया गया था।हालाँकि, ओटीटी प्लेटफॉर्म और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव ने पारंपरिक सिनेमा और थिएटर को चुनौती भी दी है, फिर भी रंगमंच अपनी जीवंतता और प्रत्यक्ष संवाद के कारण आज भी विशिष्ट स्थान रखता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक की जोड़ी विरोधियों पर भारी पड़ेगी : बद्रीनाथ

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसमें एक बार फिर रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक मुम्बई की पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। इसी को लेकर पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि रोहित और डिकॉक की सलामी जोड़ी आईपीएल में विरोधी टीमों पर भारी पड़ेगी। डिकॉक को मुंबई ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में एक करोड़ रुपये के आधारमूल्य पर खरीदा था। डिकॉक ने मुम्बई की ओर से साल 2019 से 2021 तक खेल खेलते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बद्रीनाथ ने कहा, "रोहित अभी भी भारतीय टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए शानदार हैं। डिकॉक के साथ उसकी शुरुआती

जोड़ी काफी अच्छी है।" बद्रीनाथ ने कहा कि टीम को तिलक वर्मा को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि सूर्यकुमार यादव को नंबर 4 और कप्तान हार्दिक पांड्या को नंबर 5 पर ही उतारें। बद्रीनाथ ने कहा, तिलक ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के लिए नंबर 5 और 6 पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर वह वहीं बल्लेबाजी करेंगे तो नंबर 3 पर किसे उतारा जाएगा। उसके बाद हार्दिक, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड और विल जैक्स जैसे विकल्प टीम के पास हैं। भारतीय न टीम ने रिंकू सिंह के नहीं होने की पर तिलक को नीचे बल्लेबाजी करने भेजा पर आईपीएल में तिलक को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये।

इस पूर्व क्रिकेटर नरे रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी इतने फिट है कि भारतीय टी20 टीम से खेल सकते है। रोहित ने टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है हालांकि वह आईपीएल में अब भी मुम्मई इंडियंस के लिए खेलते हैं।

आईपीएल से पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भड़के गावस्कर

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्वर ने लीग की शुरुआत से ठीक पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर ने कहा कि इस प्रकार का रवैया ठीक नहीं है। इसके खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत है। पिछले कुछ समय से लगातार देखने में आया है कि खिलाड़ी लीग से पहले कई प्राकर की बहानेबाजी कर हट जाते हैं जिससे टीम को नुकसान होता है। गावस्कर ने कहा कि टीम करोड़ों रुपये देकर जब इन खिलाड़ियों का अनुबंधित करती। इसके बाद टीम की रणनीत बनती है पर इनके नहीं खेलने से सब बेकार हो जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर का कहना गलत नहीं है। टीम नीलामी में करोड़ों रुपये खर्च कर विदेशी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ती हैं, उनकी भूमिका तय करती हैं और उसी हिसाब से टीम का संयोजन बनाती हैं। वहीं जब यही खिलाड़ी टूर्नामेंट के अहम समय पर गायब हो जाते हैं, उसके लिए सभी कुछ बेकार हो जाता है। आमतौर पर चोट, वर्कलोड मैनेजमेंट, या फिर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए खिलाड़ी हटते हैं।यह अपने आप में गलत नहीं है। किसी भी खिलाड़ी का फिट रहना और

लंबे समय तक खेलना प्राथमिकता होनी चाहिए पर ये सवाल यह है कि जब खिलाड़ी आईपीएल अनुबंध करते हैं तभी उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना चाहिये। यहां मामला 'उपलब्धता' से ज्यादा 'प्राथमिकता' का है। इससे आईपीएल की साख भी प्रभावित हो रही है। ऐसा लगता हैक आिईपीएल विदेशी खिलाड़ियों के लिए सिर्फ एक विकल्प बनकर रह गया है, जहां वे सुविधा के अनुसार खेलते हैं और असुविधा होते ही हट जाते हैं जिस स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे खिलाड़ियों को लीग से प्रतिबंधित कर दिया जान चाहिये। ऐसे में फ्रेंचाइजियां को अपने चयन में अधिक सतर्कता रखते हुए केवल उसी खिलाड़ी को शामिल करना चाहिये जो खेलन को लेकर गंभीर हो। खिलाड़ी की उपलब्धता और प्रतिबद्धता के ट्रैक रिकॉर्ड को भी चयन में पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आरसीबी और राजस्थान के बिकने से बीसीसीआई को भी करोड़ों रुपये का फायदा

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र शुरु होने से पहले ही करोड़ों रुपये का फायदा हुआ है। बोर्ड को ये लाभ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) जैसी टीमों के बिकने से हुआ है। आरसीबी जहां 16660 करोड़ रुपए, वहीं आरआर 15290 करोड़ रुपए में बिकी। इस तरह दोनों टीम टीमों को मिला दिया जाये तो करार की रकम 31000 करोड़ रुपए तक पहुंच गयी है। जिससे बीसीसीआई को भी ट्रेड डील के तहत मोटी रकम मिली है। गौरतलब है कि आईपीएल में जब भी किसी टीम का मालिक बदलता है तो बीसीसीआई को ट्रेड डील के तहत 5-5 फीसदी कमीशन दिया जाता है। ऐसे में आरसीबी के बिकने से बीसीसीआई को 833 करोड़ और राजस्थान से करीब 750 करोड़ रुपए कमीशन के तहत मिले हैं। इससे क्रिकेट बोर्ड को बिना कुछ किये ही 1583 करोड़ रुपए मिले हैं। इस करार के अलावा बीसीसीआई को हर साल आईपीएल से करोड़ों का राजस्व मिलता है।

आरसीबी को आदित्य बिरला ग्रुप, अमेरिकी खेल निवेशक डेविड ब्लिट्जर और अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन ने मिलकर खरीदा है। वहीं राजस्थान रॉयल्स को काल सोमानी के समूह ने खरीदा है। राजस्थान और आरसीबी की टीम आईपीएल में एक-एक बार की चैंपियन रही है। राजस्थान की टीम ने आईपीएल के पहले सत्र में साल 2008 में खिताब जीता था। वहीं आरसीबी ने पिछले साल पहली बार खिताब जीता था।

आईपीएल के इस सत्र में डिविलियर्स और उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं राहुल

एजेंसी, नई दिल्ली। इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल के पास एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम हासिल करने का अवसर रहेगा। राहुल इस सत्र में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और अपने ही हमवतन रॉबिन उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं। राहुल अभी 145 मैचों में 660 बाउंड्री के साथ नौवें नंबर पर हैं। राहुल ने 452 चौके और 208 छक्के लगाये हैं। राहुल को डिविलियर्स का रिकार्ड तोड़ने के लिए पांच और उथप्पा को पीछे छोड़ने चार बाउंड्री चाहिये। विलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 664 बाउंड्री लगायी हैं। इस दौरान उन्होंने 413 चौके और 251 छक्के लगाये और दिल्ली व आरसीबी की ओर से खेला। वहीं उथप्पा ने 205 मुकाबलों में से 663 में बाउंड्री लगाई। उन्होंने 481 चौके और 182 छकके लगाये। वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) समेत पांच फ्रेंचाइजी में शामिल रहे। लीग में सबसे अधिक 1062 का रिकार्ड विराट कोहली का है जबकि 942 बाउंड्री के साथ ही रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर है।

आईपीएल 2026 में इस बार उद्घाटन समारोह नहीं होगा : बीसीसीआई

एजेंसी, बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में इस बार उद्घाटन समारोह नहीं रखा गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार उद्घाटन समारोह की जगह पर पिछली बार इस स्टेडियम में मची भगदड़ के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। आईपीएल सत्र का पहला मुकाबला 28 मार्च को एम चेन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा। पिछली बार हादसे में मारे गये लोगों के सम्मान में इस बार कोई

पारंपरिक समारोह नहीं रखा गया है। इसी को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि है कि उद्घाटन मैच से पहले कोई समारोह आयोजित नहीं किया जाएगा पर 31 मई को खिताबी मुकाबले के दिन आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के सहयोग से समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि पिछली बार आरसीबी की जीत के बाद बेंगलुरु में निकाली गई विक्ट्री परेड के दौरान भची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। इसी दुखद हादसे को ध्यान में रखते हुए इस बार उद्घाटन समारोह को रद्द किया गया है जिससे मृतकों को श्रद्धांजलि दी जा सके। इससे पहले भी आईपीएल उद्घाटन समारोह के बिना ही एक बार आईपीएल आयोजित किया गया था। साल 2019 में पुलवामा हादसे के बाद भी बीसीसीआई ने उद्घाटन कार्यक्रम को रद्द करते हुए उस पर खर्च होने वाली राशि शहीद जवानों के परिवारों को दान कर दी गई थी।

बिजनेस

स्क्रैपेज-लिंक्ड ईवी प्रोत्साहन से लास्ट-माइल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को मिल सकती है रफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार द्वारा प्रस्तावित नई प्रोत्साहन योजना स्वच्छ परिवहन की दिशा में तेजी ला सकती है। खासकर लास्ट-माइल मोबिलिटी सेगमेंट में इसका बड़ा प्रभाव देखने को मिल सकता है, ऐसा उद्योग विशेषज्ञों का मानना है। सरकार की प्रस्तावित नई प्रोत्साहन योजना के तहत पुराने वाहनों को स्क्रैप कर इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलाव करने पर एक लाख रुपये तक का लाभ दिए जाने का प्रावधान है। इसके तहत दिल्ली में पंजीकृत पुराने वाहनों के मालिक यदि अपने वाहन को अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों पर जमा कर छह महीने के भीतर नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदते हैं, तो वे वित्तीय प्रोत्साहन के पात्र होंगे। इस योजना में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए 10,000, इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहनों के लिए 25,000 और इलेक्ट्रिक कारों के लिए 1 लाख तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही कुछ ईवी श्रेणियों के लिए रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस में भी छूट का प्रावधान है। हालांकि, यह नीति कई वाहन श्रेणियों को कवर करती है, लेकिन उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन (ई3डब्ल्यू) को इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा, क्योंकि इनका उपयोग यात्री परिवहन और शहरी माल ढुलाई में व्यापक रूप से किया जाता है। जुपेरिया ऑटो के सीईओ आयुष लोहिया ने कहा कि स्क्रैपेज-लिंक्ड प्रोत्साहन नीतियां पुराने, अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को इलेक्ट्रिक विकल्पों से बदलने की प्रक्रिया को तेज कर सकती हैं, खासकर कमर्शियल मोबिलिटी सेगमेंट में। भारत का इलेक्ट्रिक तीन पहिया बाजार देश के सबसे तेजी से बढ़ते ईवी सेगमेंट्स में से एक बन चुका है और कुल ईवी अपनाने में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। यह सेगमेंट लास्ट-माइल कनेक्टिविटी, छोटे लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन और शहरी मोबिलिटी में अहम भूमिका निभाता है, जिससे यह भारत के सतत परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी बनता है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन भारत के शहरी परिवहन इकोसिस्टम में ईवी अपनाने को तेज करने का सबसे व्यावहारिक माध्यम हैं। प्रोत्साहन से जुड़ी स्क्रैपेज नीतियां ड्राइवरों और छोटे फ्लीट ऑपरेटर्स के लिए शुरुआती लागत को कम करती हैं, जो अपनी रोज़मर्रा की आजीविका के लिए इन वाहनों पर निर्भर हैं। इलेक्ट्रिक तीनपहिया वाहनों का आर्थिक पक्ष पहले से ही मजबूत है, क्योंकि इनके संचालन की लागत पारंपरिक ईंधन आधारित वाहनों की तुलना में काफी कम होती है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल ऑपरेटर्स के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव केवल पर्यावरणीय लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक परिचालन लागत में बचत भी प्रदान करता है। जब इसे नीतिगत प्रोत्साहनों का समर्थन मिलता है, तो पुराने वाहनों से इलेक्ट्रिक विकल्पों की ओर बदलाव कहीं अधिक तेज़ी से हो सकता है। उद्योग विश्लेषकों का मानना है कि पुराने वाहनों को हटाने को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां शहरी प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ देश में पुराने ऑटो-रिक्शा और छोटे मालवाहक वाहनों के बड़े-बेड़े को आधुनिक बनाने में भी मदद कर सकती हैं। जैसे-जैसे शहर उत्सर्जन कम करने और वायु गुणवत्ता सुधारने के उपाय तलाश रहे हैं, स्क्रैपेज-लिंक्ड ईवी प्रोत्साहन भारत के लास्ट-माइल ट्रांसपोर्ट इकोसिस्टम के विद्युतीकरण को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र की वृद्धि दर 9 फीसदी, 2024-25 में प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ रुपये के पार

एजेंसी, नई दिल्ली

देश का स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र वार्षिक आधार पर लगभग नौ फीसदी की दर से मजबूत वृद्धि दर्ज हासिल कर रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस सेक्टर का कुल प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र की कार्यक्षमता बढ़ाने और पॉलिसीधारकों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने कैशलेस स्वास्थ्य बीमा दावों के प्रसंस्करण के लिए विशिष्ट समय-सीमा निर्धारित की है। मंत्रालय ने कहा कि निर्धारित समय-सीमा और नियामक उपायों का उद्देश्य स्वास्थ्य बीमा दावों के निपटारे में दक्षता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। आईआरडीएआई ने कैशलेस इलाज के लिए समय सीमाएं तय की हैं। इसके तहत कैशलेस प्री-ऑथराइजेशन-एक घंटे के अंदर, फाइनल ऑथराइजेशन-तीन घंटे के अंदर होना चाहिए। इन समय सीमाओं का मकसद देरी को कम

करना और यह पक्का करना है कि मरीजों को समय पर मेडिकल देखभाल मिल सके। मंत्रालय के अनुसार स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि के मुख्य कारण हैं, जिनमें पॉलिसीधारकों की बढ़ती उम्र, अधिक कवरेज और बेहतर सुविधाएं आदि हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 85.66 फीसदी, 2023-24 में 82.46 फीसदी और 2024-25 में 87.50 फीसदी भुगतान किए गए दावों का अनुपात रहा है। इसके अलावा भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के 'बीमा भरोसा' पोर्टल के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सामान्य और स्वास्थ्य बीमा से जुड़ी 1,37,361 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 1,27,755 (93 फीसदी) शिकायतों का निपटारा इसी वित्त वर्ष 2024-25 में ही कर दिया गया।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में मामूली तेजी

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सोना 3,470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक तेजी दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,34,460 रुपये प्रति 10

ग्राम से लेकर 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,50,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,46,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

रिजर्व बैंक का एमपीसी कैलेंडर जारी, पहली मौद्रिक समीक्षा बैठक 6-8 अप्रैल को

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक का कैलेंडर जारी कर दिया है। आरबीआई की पहली तीन दिवसीय द्विमासिक एमपीसी समीक्षा बैठक 6 से आठ अप्रैल को होगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति अगले वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2026-27 में कुल छह बैठकें करेगी। केंद्रीय बैंक की ओर से यह घोषणा आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा

45ZI के तहत की गई है, जिसके अनुसार रिजर्व बैंक को नीतिगत बैठकों का कैलेंडर प्रकाशित करना अनिवार्य है। रिजर्व के मुताबिक यह बैठकें इसलिए होंगी, ताकि व्यापक आर्थिक स्थितियों की समीक्षा की जा सके और नीतिगत दरों और तरलता उपायों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकें। पहली बैठक 6 से आठ अप्रैल को होगी।

डीपीआईआईटी ने क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया समझौता

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के स्टार्टअप और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक डिजिटल मनोरंजन कंपनी क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के उप सचिव टीएलके सिंह और क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के गवर्नमेंट रिलेशंस हेड विभोर कुकरेती ने दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य डिजिटल मनोरंजन, ऑनलाइन गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स, इंटरैक्टिव मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित तकनीकों जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले प्रोडक्ट स्टार्टअप्स के विकास को बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने बताया कि इसका लक्ष्य स्टार्टअप्स को व्यवस्थित उद्योग जुड़ाव के माध्यम से ऐसे समाधान विकसित करने में सक्षम बनाना है, जो विस्तार योग्य हों और उद्योग के लिए प्रासंगिक हों। इस पहल के तहत स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, इंडस्ट्री से जुड़ी जानकारी, ज्ञान के आदान-प्रदान के प्लेटफॉर्म और खासतौर पर तैयार किए गए जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। ये साझेदारी स्टार्टअप्स को कुछ अहम पड़ाव हासिल करने में भी मदद करेगी, जैसे कि अवधारणा का प्रमाण (पीओसी) तैयार करना, बाज़ार तक पहुंच बनाना और जहां भी संभव हो, उन्हें इंडस्ट्री के इकोसिस्टम में शामिल करना है। इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह सहयोग भारत की डिजिटल और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसी साझेदारियां स्टार्टअप्स को उभरते हुए तकनीकी क्षेत्रों में नवाचार करने, अपना विस्तार करने और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी समाधान तैयार करने में सक्षम बनाती हैं। उन्होंने बताया कि इस सहयोग के तहत डीपीआईआईटी, क्राफ्टन इंडिया प्रा. लिमिटेड के साथ मिलकर 'भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज' के तहत इनोवेशन चुनौतियों के आयोजन की संभावनाओं को तलाशेगा।

दुनियाभर में धुरंधर 2 का आया सैलाब, 6ठे दिन टूटे चार फिल्मों के तगड़े रिकॉर्ड, अब 1000 करोड़ दूर नहीं

दुनियाभर में धुरंधर 2 का आया सैलाब, 6ठे दिन टूटे चार फिल्मों के तगड़े रिकॉर्ड, अब 1000 करोड़ दूर नहीं रणवीर सिंह स्टारर और आदित्य धर निर्देशित धुरंधरः द रिवेंज या धुरंधर 2 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी. जबकि 18 मार्च को इसके पेड प्रीव्यू दिखाए गए थे. 2025 की ब्लॉकबस्टर फ़िल्म धुरंधर की इस सीक्वल ने रिलीज़ के बाद से ही बॉक्स ऑफ़िस पर गर्दा उड़ाया हुआ है. ये फिल्म देश और दुनियाभर में रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है. यहां तक कि रिलीज के छठे दिन भी इस फिल्म ने धुआंधार कमाई कर फिर इतिहास रच दिया है. चलिए यहां जानते हैं धुरंधर 2 ने वर्ल्डवाइड 6 दिनों में कितना कलेक्शन कर डाला है?

धुरंधर 2 का बॉक्स ऑफिस पर सैलाब आया हुआ है. ये फिल्म इतनी स्पीड से हर दिन भारी-भरकम कलेक्शन कर रही है कि इसने हर किसी को हैरान कर दिया है. फिलहाल दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2 छाई हुई है. इसके छठे दिन के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक धुरंधर 2 ने विदेशों में कुल 231.57 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे इसका कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन बढ़कर 919.00 करोड़ हो गया है. धुरंधर 2 ने दुनियाभर में 919 करोड़ के ग्रॉस कलेक्शन के साथ चार फिल्मों को मात दे दी है और वर्ल्डवाइड हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों की टॉप 5 लिस्ट में पहुंच गई है. बॉलीवुड हंगामा के आंकड़ो के मुताबिक धुरंधर 2 ने रणबीर कपूर की फ़िल्म एनिमल की लाइफ़टाइम कमाई को पीछे छोड़ दिया है, जिसने 2023 में दुनिया भर में कुल 917 करोड़ रुपये कमाए थे.इसके साथ ही इसने सलमान खान की बजरंगी भाईजान के वर्ल्डलाइड लाइफटआइम कलेक्शन 918.18 करोड़ को भी मात दे दी है. इस फिल्म ने अपनी रिलीज के छठे दिन, यानी मंगलवार को 56.55 करोड़ रुपये का भारत में नेट कलेक्शन किया है. एंटरटेनमेंट ट्रैकिंग पोर्टल सैकनिल्क के मुताबिक इसके साथ ही इसकी घरेलू नेट कमाई भारत में 575.67 करोड़ रुपये हो गया है. धुरंधर 2 ने महज रिलीज के 6 दिन में 9 सौ करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है और ये ऐसा करने वाली सबसे तेज फिल्म बन गई है. इसी के साथ अब ये 1000 करोड़ी बनने से इंचभर दूर है. फिल्म की कमाई की रफ्तार को देखते हुए लग रहा है कि ये दूसरे वीकेंड से पहले इस उपलब्धि को हासिल कर लेगी. इसी के साथ ये अपने प्रीक्व के रिकॉर्ड को तोड़ने के भी करीब पहुंच जाएगी. बता दें कि धुरंधर 2 के पहले भाग ने कुल 1300 करोड़ रुपये कमाए थे, और उम्मीद है कि इसका सीक्वल अपने दूसरे वीकेंड में इसे पीछे छोड़ देगा.

फिल्म जी2 से इमरान हाशमी का पहला लुक जारी, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

द साबरमती रिपोर्ट के बाद अब द टेरर रिपोर्ट लेकर आ रहीं एकता कपूर, शेरशाह फेम डायरेक्टर करेंगे फिल्म निर्देशित साल 2002 के गोधरा कांड पर आधारित फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की सफलता के बाद निर्माता एकता कपूर नई फिल्म लेकर आ रही हैं. बालाजी टेलीफिल्म्स और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट ने एक बड़ी राजनीतिक थ्रिलर फिल्म द टेरर रिपोर्ट बनाने के लिए हाथ मिलाया है. फिल्म का निर्देशन शेरशाह फेम विष्णु वर्धन करेंगे. फिल्म द टेरर रिपोर्ट वास्तविक घटनाओं पर आधारित होगी और भारत पर हुए आतंकी हमलों के साथ ही देश की ओर से दिए गए कड़े जवाबी हमलों को भी बड़े दिखाएगी. द साबरमती रिपोर्ट की अगली कड़ी के रूप में यह फिल्म सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लंबी लड़ाई को विस्तार से पेश करेगी. मेकर्स के अनुसार, फिल्म में जांच की पेचीदगियां, खुफिया अभियान और हालिया सुरक्षा संबंधी घटनाओं को गहराई से दिखाया जाएगा. इस अनोखे सहयोग में बालाजी और एलिप्सिस की रचनात्मक ताकत और विष्णु वर्धन की शानदार निर्देशन शैली एक साथ नजर आएगी. निर्माताओं में एकता कपूर, शोभा कपूर, तनुज गर्ग और अतुल कसबेकर शामिल हैं. फिल्ममेकर्स का मानना है कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ एंटरटेन करेगा, बल्कि देश की सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में दर्शकों को जागरूक भी करेगा. बता दें, विष्णु वर्धन ने पहले शेरशाह जैसी फिल्म से राष्ट्रीय स्तर पर सराहना बटोरी है. अब द टेरर रिपोर्ट के जरिए वे एक बार फिर वास्तविक घटनाओं पर आधारित शक्तिशाली कहानी पेश करने जा रहे हैं. फिल्म की शूटिंग और रिलीज डेट की जानकारी जल्द ही जारी किए जाने की उम्मीद है. वहीं, विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा स्टारर द साबरमती रिपोर्ट साल 2024 में रिलीज हुई थी.

आसान और हेल्दी स्नैक रेसिपी शेयर की श्रुति हासन ने

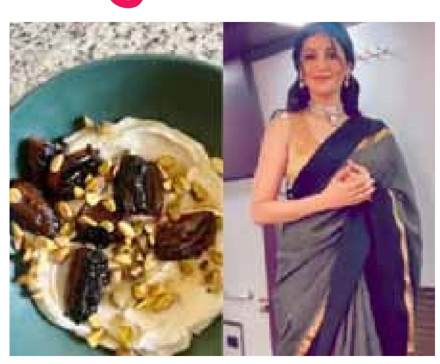

सोशल मीडिया पर बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रुति हासन काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपने फैंस के साथ दिलचस्प अपडेट साझा करती नजर आती हैं। हाल ही में उन्होंने एक आसान और हेल्दी स्नैक रेसिपी शेयर की है, जो काफी पसंद की जा रही है। इस रेसिपी को खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी माना जा रहा है, जो हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना चाहते हैं लेकिन कम समय में कुछ पौष्टिक खाना भी चाहते हैं। श्रुति ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए बताया कि छुट्टी के दिन वह स्क्रिप्ट पढ़ने के साथ-साथ सोशल मीडिया भी देखती हैं। इसी दौरान उन्हें एक सिंपल स्नैक रेसिपी मिली, जिसे उन्होंने खुद ट्राई किया।

यह रेसिपी उन्हें इतनी पसंद आई कि उन्होंने इसे अपने फैंस के साथ शेयर करने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि यह स्नैक न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसे बनाने में भी ज्यादा समय नहीं लगता। इस हेल्दी स्नैक का नाम "वेनिला ग्रीक योगर्ट स्नैक विद डेट्स" है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले खजूर को साफ कर लिया जाता है और जरूरत हो तो उसे थोड़ी देर गुनगुने पानी में भिगोकर नरम किया जा सकता है। इसके बाद खजूर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा जाता है। फिर एक बाउल में वेनिला ग्रीक योगर्ट लेकर उसमें कटे हुए खजूर मिला दिए जाते हैं। इसके ऊपर थोड़ा सा एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल डालने से इसका स्वाद और बेहतर हो जाता है।

अंत में ऊपर से हल्का सा नमक छिड़क कर इसे अच्छे से मिक्स किया जाता है। इसे तुरंत खाया जा सकता है या कुछ देर फ्रिज में रखकर ठंडा करके भी सर्व किया जा सकता है। यह स्नैक पोषण से भरपूर है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी बताए जा रहे हैं। खजूर शरीर को तुरंत ऊर्जा देने में मदद करता है, जबकि ग्रीक योगर्ट में मौजूद प्रोटीन लंबे समय तक पेट भरा रखने में सहायक होता है। साथ ही यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और गट हेल्थ को सुधारता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद माने जाते हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन को मिली नई रिलीज तारीख, 28 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन को मिली नई रिलीज तारीख, 28 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक सिद्धार्थ मल्होत्रा काफी समय से अपनी आगामी फिल्म वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट को लेकर चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले आधिकारिक पोस्ट में बताया गया था कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद, अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। पहली बार होगा जब सिद्धार्थ के साथ फिल्म में तमन्ना भाटिया नजर आएंगी। अब निर्माताओं की ओर से वन की नई रिलीज तारीख का खुलासा कर दिया है। दरअसल पहले इसे 15 मई को रिलीज किया जाना था। निर्माताओं ने वन का पोस्टर जारी किया है और बताया है कि फिल्म अब 28 अगस्त, यानी रक्षाबंधन के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दीपक मिश्रा और अरुणभ कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म की निर्माता एकता कपूर हैं। फिल्म का निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर के सहयोग से हुआ है। इसकी शूटिंग मध्य भारत के घने जंगलों में की गई है, जबकि कहानी गुप्त मंदिरों और प्राचीन लोककथाओं पर आधारित बताई जाती है। इस फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की फ्रेश जोड़ी है। दोनों को पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर देखना फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं होगा। सिद्धार्थ, जिन्हें हाल ही में एक्शन अवतार में देखा गया था, इस बार एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे जो तर्क और अलौकिक शक्तियों के बीच फंसा हुआ है। वहीं, तमन्ना भाटिया का किरदार भी काफी रहस्यमयी और शक्तिशाली बताया जा रहा है। रक्षाबंधन की छुट्टी पर फिल्म को रिलीज करने का फैसला काफी सोच-समझकर लिया गया है। त्योहारों के सीजन में अक्सर बड़ी फिल्मों को अच्छी शुरुआत मिलती है और वीवन जैसी थ्रिलर फिल्म को फैमिली ऑडियंस के साथ-साथ युवाओं का भी भरपूर साथ मिलने की उम्मीद है। सिद्धार्थ और तमन्ना के अलावा इस फिल्म में सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी और मनीष पॉल जैसे मंझे हुए कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कुल मिलाकर, वीवन न केवल एक रोमांचक फिल्म होने का वादा करती है, बल्कि भारतीय जड़ों से जुड़ी कहानियों को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी है।

किसी भी रिश्ते की असली ताकत ईमानदारी होती हैः सौरभ शुक्ला

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता और फिल्ममेकर सौरभ शुक्ला ने अपने विचार साझा किए और रिश्तों में सच्चाई की अहमियत पर जोर दिया। इस दौरान सौरभ शुक्ला ने कहा कि किसी भी रिश्ते की असली ताकत ईमानदारी होती है। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को अपने रिश्ते में एक खुली किताब की तरह होना चाहिए, जहां कोई बात छुपाने की जरूरत न पड़े। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति रिश्ते में सच छुपाता है, तो उस समय भले ही स्थिति संभाल ली जाए, लेकिन लंबे समय में इसका असर काफी नकारात्मक होता है। उन्होंने आगे बताया कि जब छुपाई गई सच्चाई सामने आती है, तो सबसे ज्यादा तकलीफ इस बात की होती है कि आपको उस सच से अनजान रखा गया। यही भावना धीरे-धीरे एक बड़े धोखे का रूप ले लेती है। इसके बाद रिश्ते में शक की भावना जन्म लेती है, जिससे दूसरा व्यक्ति हर बात पर सवाल उठाने लगता है। यह स्थिति रिश्ते की नींव को कमजोर कर देती है और भरोसा धीरे-धीरे खत्म होने लगता है। सौरभ शुक्ला के अनुसार, अगर रिश्तों में खुलापन और पारदर्शिता हो, तो वे और मजबूत बनते हैं। जब दोनों लोग बिना किसी डर या झिझक के एक-दूसरे के साथ अपनी हर बात साझा करते हैं, तो आपसी समझ और विश्वास दोनों बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि एक आदर्श रिश्ता वही होता है, जिसमें दोनों पार्टनर पूरी सच्चाई के साथ एक-दूसरे के सामने हों। उन्होंने अपनी फिल्म जब खुली किताब का जिक्र करते हुए इस विचार को और स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि फिल्म में एक कपल की जिंदगी शुरुआत में बिल्कुल परफेक्ट दिखाई देती है, जैसे बिना किसी दरार वाली दीवार। लेकिन जैसे ही एक सच्चाई सामने आती है, उनके रिश्ते में दरार पड़ जाती है और सब कुछ बिखरने लगता है। हालांकि, उसी दरार के जरिए सच्चाई की रोशनी भी अंदर आती है, जिससे दोनों एक-दूसरे को सही मायनों में समझ पाते हैं। सौरभ ने यह भी कहा कि जब सच सामने आ जाता है, तो फिर कुछ भी छुपाने के लिए नहीं बचता। ऐसे में दोनों पार्टनर एक-दूसरे की खूबियों और कमियों को स्वीकार करते हैं। अगर इसके बाद भी वे साथ रहने का फैसला करते हैं, तो उनका रिश्ता पहले से ज्यादा मजबूत और गहरा हो जाता है। मालूम हो कि रिश्तों में भरोसा और समझ सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं, लेकिन कई बार लोग इन्हें बचाए रखने के लिए झूठ का सहारा ले लेते हैं, जो आगे चलकर रिश्तों में दरार पैदा कर देता है।

अक्षय कुमार की 'भूत बंगला को सेंसर बोर्ड से मिली मंजूरी, यूए 16 रेटिंग के साथ पास हुई फिल्म; 10 अप्रैल को होगी रिलीज

अक्षय कुमार आगामी फिल्म 'भूत बंगला के साथ एक बार फिर कॉमेडी जॉनर में वापसी करने को तैयार हैं। इस फिल्म के जरिए अक्षय और प्रियदर्शन की एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ी लगभग 16 साल बाद बड़े पर्दे पर वापस आ रही है। अब अक्षय की इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिल गई है और सर्टिफिकेट भी जारी हो गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार की 'भूत बंगला को सेंसर बोर्ड से यूए सर्टिफिकेट मिला है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को फैंटेसी और हल्के सुपरनेचुरल एलिमेंट्स के साथ मिलाकर बनाया गया है।

भूत बंगला में डरावने सीन के बजाय सिचुएशनल कॉमेडी पर अधिक ध्यान दिया गया है। यूए 16 रेटिंग के साथ यह फिल्म कॉमेडी और हॉरर का डबल डोज देने वाली फुल एंटरटेनर फिल्म के तौर पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। 'भूत बंगला इस साल गर्मियों में आने वाली मच अवेटेड फिल्मों में से एक है।

'भूत बंगला के जरिए अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन 16 साल बाद बड़े पर्दे पर बड़ा धमाका करने के लिए तैयार हैं। दोनों ने आखिरी बार 2010 में आई फिल्म 'खट्टा मीठा में साथ काम किया था। अक्षय और प्रियदर्शन की जोड़ी ने कई हिट फिल्में दी हैं।

इनमें 'हेरा फेरी (2000), 'गरम मसाला (2005), भूल भुलैया (2007) और 'भागम भाग (2006) जैसी यादगार कॉमेडी फिल्में शामिल हैं। अक्षय की अपकमिंग फिल्म 'हैवान भी प्रियदर्शन के ही साथ है। इसमें सैफ अली खान और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 'भूत बंगला में अक्षय कुमार के साथ तब्बू, वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और दिवंगत अभिनेता असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 'भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है।

गर्मियों के दौरान इन 5 फलों के बनाकर पिएं जूस, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

गर्मियों में अधिक तापमान और उमस के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। हालांकि, रोजाना पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करने से इस समस्या से बचा जा सकता है। इसके लिए आप जूस का सेवन कर सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फलों के जूस की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन गर्मियों के दौरान करना सेहत के लिए फायदेमंद है।

अनानास का जूस : अनानास का जूस बनाने के लिए सबसे पहले अनानास को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर जार में डालें, फिर इसमें थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाएं। अब जार को पीस लें और जूस को छानकर गिलास में डालें। इसके बाद जूस के ऊपर पुदीने की कुछ पत्तियां सजाकर इसे परोसें। अनानास का जूस स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक भी है। इसे पीने से शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकालने में मदद मिलती है।

तरबूज का जूसः तरबूज का जूस बनाने के लिए सबसे पहले तरबूज को छिलकर इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब एक जार में तरबूज के टुकड़ों को डालकर पीस लें। इसके बाद जूस को गिलास में डालकर इसके ऊपर पुदीने की पत्तियां सजाएं। तरबूज का जूस पीने से शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद मिलती है। इसमें मौजूद विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं।

पपीते का जूसः पपीते का जूस बनाने के लिए सबसे पहले पपीते को छिलकर इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब एक जार में पपीते के टुकड़ों को नींबू के रस के साथ डालकर पीस लें। इसके बाद जूस को गिलास में डालकर इसके ऊपर पुदीने की कुछ पत्तियां सजाएं। पपीते का जूस पीने से पाचन तंत्र ठीक रहता है और इससे पेट से जुड़ी समस्याओं से भी राहत मिलती है।

अनार का जूसः अनार का जूस बनाने के लिए सबसे पहले अनार के दानों को निकालकर एक जार में डालें, फिर इसमें थोड़ा नींबू का रस मिलाएं। अब जार को पीस लें और मिश्रण को छानकर गिलास में डालें। इसके बाद जूस को ठंडा करने के लिए कुछ बर्फ के टुकड़े डालें। यह जूस स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक भी है। इसे पीने से शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकालने में मदद मिलती है।

आम का जूसः सबसे पहले आम को छिलकर इसके टुकड़े कर लें। अब आम के टुकड़ों को चीनी और पानी के साथ उबालें और ठंडा होने दें। इसके बाद आम के मिश्रण को जार में डालकर पीस लें, फिर इसे छानकर गिलास में डालें। आम का जूस पीने से पाचन तंत्र ठीक रहता है और इससे पेट से जुड़ी समस्याओं से भी राहत मिलती है।

Can't be a broker nation: EAM Jaishankar at all-party meet

NEW DELHI ,Agency: Govt on Wednesday scotched the suggestion that Pakistan has scored diplomatically by offering to play mediator between Iran and US, with foreign minister S Jaishankar saying the neighbour has been a past master at inserting itself into conflicts.
"India cannot be a broker nation," sources quoted Jaishankar as saying at the all-party meeting govt had convened. The minister also said PM Modi, in his conversation with Donald Trump on Tuesday, had told the US president that the war was hurting everybody and impressed upon the latter the need for swift resolution of the conflict.
India follows multi-alignment, has good Iran ties: EAM
On Pakistan working its way into the West Asia frame, Jaishankar recalled it was also the intermediary between China and the US in 1971 and again between the US and Iran in 1981. Govt sources said Jaishankar was putting things in perspective by recalling Pakistan's past interventions."He wasn't mocking or criticising what Pak is doing now regarding the conflict," one of the sources added.
India is a big country and pursues multi-alignment to serve its national interests, he said, insisting that it continues to enjoy good equations with Iran.
The minister also said that there was not enough clarity about the format and fate of the US-Iran talks with uncertainty over who would be negotiating on Iran's behalf. He pointed to the sudden emergence of parliamentary speaker Mohammad Bagher Ghalibaf as Tehran's chief negotiator.
At the meeting, presided over by defence minister Rajnath Singh, opposition MPs, including Mukul Wasnik of Congress, John Brittas of CPM, Asaduddin Owaisi of AIMIM, NCP's Supriya Sule and AAP's Sanjay Singh flagged a host of issues, including Modi's visit to Israel just before the war broke, India's alleged silence over the assassination of Iran's supreme leader Ayatollah Ali Khamenei and concerns over oil and gas availability.
Besides Jaishankar, govt was represented by home minister Amit Shah, finance minister Nirmala Sitharaman, petroleum minister Hardeep Puri and parliamentary affairs minister Kiren Rijiju.Puri assured the participants that India had sufficient stock of petrol and diesel. Besides, it had moved to tie up new sources of supply.
TMC was the lone major opposition party which skipped the meeting, calling for a discussion on the issue in Parliament.Rijiju said govt had explained its position clearly to address the concerns of opposition parties.
"They also asserted that in such a challenging situation, we all have to stand together. Prime Minister Narendra Modi has made an appeal that the Parliament should rise together in any challenging situation. I think the opposition parties have displayed maturity," the minister said.

UK court rejects Nirav Modi's bid to stall extradition

NEW DELHI ,Agency: A UK court has rejected fugitive diamantaire Nirav Modi's petition to reopen his extradition order, bringing him closer to facing charges in India.The High Court of Justice, King's Bench Division, while handing down the judgment, observed that the petition and the circumstances surrounding it were not exceptional to revisit earlier extradition order, officials said. CBI has been seeking the extradition of Nirav in connection with a Punjab National Bank scam, with proceedings ongoing since 2018.CBI accuses Nirav Modi of defrauding PNB of Rs 6.5kcr CBI's bank fraud case accuses Nirav Modi of defrauding PNB of Rs 6,498.2 crore.Following his arrest in the UK in 2019, courts had approved his extradition and rejected earlier appeals, finding no legal barriers and accepting assurances regarding his treatment in India.Although a temporary legal obstacle delayed the process, it was lifted in Aug 2025.Nirav Modi had applied for reopening his appeal, citing concerns about potential ill-treatment, and also questioned whether assurances provided by Indian authorities were sufficient to protect his rights. He has been in a prison in the United Kingdom since March 2019.

BRO entrusted with task of developing infra along 1600-km Myanmar border: Rajnath at parl panel meet

NEW DELHI ,Agency: Stressing the need for robust infrastructure along the borders, defence minister Rajnath Singh on Wednesday said Border Roads Organisation (BRO) has been entrusted with the task of developing infrastructure along the Indo-Myanmar border, spanning approximately 1,600 km, an initiative that will further bolster the border management capabilities.Rajnath, who chaired a parliamentary consultative committee meeting for the defence ministry on BRO here on Wednesday, asserted that through this network, all-weather connectivity is being ensured even in remote and high-altitude regions, thereby strengthening the operational mobility and defence preparedness. The progress under Border Roads Development Programme 2023-28, under which over 1,000 road and infrastructure projects are being executed, including new construction, upgradation and maintenance works to further strengthen border connectivity, was also discussed during the meeting.The minister also hailed the efforts of the BRO towards enhancing connectivity in the north-eastern region and in areas affected by Left-wing extremism, thereby contributing to security and regional development.
"The BRO has facilitated the mobility of defence forces, and worked towards bringing a positive transformation in the lives of the residents," he said. Insightful deliberations were held on issues pertaining to defence, infrastructure development and ongoing strategic initiatives aimed at strengthening national security and operational preparedness.Drawing the attention of the parliamentary consultative committee members to the crucial aspect of 'technology utilisation', the minister said BRO is rapidly adopting modern construction techniques by making best use of technologies such as high altitude equipment, modular bridges, and precast technologies.
"The BRO has enhanced both the quality and the pace of its work. This demonstrates that we are building future-ready infrastructure," he said. He reiterated the govt's commitment to strengthen the BRO in terms of budgetary support, modern equipment and initiatives aimed at the welfare of their personnel. BRO, established in 1960, has constructed over 64,000 km of roads, 1,179 bridges, 22 airfields and seven tunnels, significantly enhancing operational readiness and socio-economic development in border areas.

Petrol stations put up 'no stock' boards as pumps run dry

NEW DELHI ,Agency: Despite assurances by govts and oil marketing companies that adequate stocks of petrol, diesel and domestic LPG cylinders were available, the scramble for fuel continued on Wednesday. As rumours of shortages and possible price hikes fuelled fear, long queues were witnessed outside fuel pumps and gas agencies.
The unprecedented panic buying saw fuel pumps run out of supply in many states. Dealers in Telangana and Maharashtra said high-speed sale was met with slow replenishment of stocks from depots as oil companies insisted on advance payments.
In Telangana, civil supplies minister N Uttam Kumar Reddy said the state had enough petrol and diesel to last the next three months. However, many outlets in Hyderabad had to put up 'no stock' boards. Petrol and diesel dealers in Hyderabad said nearly 40% of petrol pumps in the city ran dry.An HPCL official said given the current financial pressures and higher crude sourcing costs, payments "need to be made on a near-daily basis".
In Maharashtra, Vidarbha guzzled more than double its daily quota of petrol as well as diesel on Tuesday as well as Wednesday, resulting in mass drying of pumps as refill did not match the pace.
Figures reported to administration revealed there was no dearth of stocks, but dealers complained that stoppage of the credit system was creating payment issues leading to supply disruptions.In Lucknow, the state level coordinator of the oil industry, Sanjay Bhandari, urged "sensible consumption".

NMC boards lie vacant as it directs states to deal with teacher vacancies

NEW DELHI ,Agency: In a case of sheer irony, the National Medical Commission (NMC) has been asked to direct state govts to fill up huge numbers of vacant posts in the medical teaching service in a time bound manner, when three quarters of posts in NMC's four autonomous boards are lying vacant.
The undergraduate medical education board, the post graduate medical education board and the ethics and medical registration boards have just one part-time member each. They ought to have five members each including the president of each board. The medical assessment and rating board alone has a president and one part-time member, while the remaining three posts are vacant.When contacted, NMC chairperson Dr Abhijat Sheth while confirming that the process of filling the vacancies in the boards was currently under consideration by the government, told Media that the NMC was fully functional, with 28 out of 33 members currently in position. "All statutory requirements, including quorum, are being duly met, and the functioning of the commission and its boards remains unaffected," he said.
"Policy-level decisions continue to be taken at the Commission level. For matters pertaining to Autonomous Boards, the Chairperson is empowered under the Act to constitute expert committees, and all functions are being carried out through these duly constituted mechanisms," said Dr Sheth.Even as NMC boards are riddled with vacancies, the commission has been asked by the Patna high court to direct states to fill up teaching vacancies within six months.The court asked NMC "to take appropriate action in directing the State Government(s) to initiate an appointment/recruitment drive to fill up a huge number of vacant posts in the medical teaching service within a time-bound period." The court was hearing a petition challenging the Aadhar-enabled biometric attendance system in medical colleges.
In keeping with the order, NMC has directed all states and union territories to take the necessary steps.

Tata Power Expands Green Skilling with New Prayagraj Centre

,Agency Prayagraj : Tata Power, one of India's largest integrated power companies, through its skilling arm, Tata Power Skill Development Institute (TPSDI), has inaugurated a new training centre in Prayagraj, Uttar Pradesh, in partnership with ICICI Foundation. The centre aims to provide local youth and women with industry-relevant skills in power, renewable energy, and allied sectors, supporting India's growing demand for a skilled workforce.

The inauguration was jointly conducted by Saumya Agarwal (IAS), Commissioner, Prayagraj, and Himal Tewari, CHRO & Chief – Sustainability & CSR, Tata Power, in the presence of Ashok Panda, CEO, PPGCL, and Alok Prasad, Head – TPSDI. The event marked a significant milestone in Tata Power's ongoing efforts to enhance skill development through collaborative partnerships.

The Prayagraj centre will offer hands-on training in renewable energy technologies, including solar PV installation and maintenance, electrical safety, and energy efficiency. Alongside, TPSDI, in collaboration with the Ministry of Tribal Affairs, has launched specialised training batches for tribal youth, virtually inaugurated by Union Minister Shri Jual Oram. These programmes will run at the Prayagraj centre and across TPSDI's newly established centres in Odisha – Balasore, Dhenkanal, Berhampur, and Sambalpur – as well as at existing centres in Cuttack, Maithon, and Jojobera in Jharkhand.

The centre will also conduct training under the PM Surya Ghar: Muft Bijli Yojana, offering certifications designed to enhance employability and ensure faster placement with industry stakeholders, including EPC companies, channel partners, and service providers.

Since its inception, TPSDI has emerged as a leading institute in energy sector skilling, offering over 200 modular courses in areas like Green Energy, Power Systems, Transmission & Distribution, Safety, and Soft Skills. The institute has trained over 4.2 lakh individuals, totaling more than 1.6 million person-days of training, with significant participation from women and affirmative action beneficiaries.

The Prayagraj centre aims to strengthen the local talent pipeline, support regional energy infrastructure, and contribute to sustainable livelihoods. This initiative reinforces Tata Power's commitment to nation-building, empowering communities, and advancing India's transition to a resilient, sustainable, and clean energy future.

Middle East crisis: Amit Shah heading informal GoM on 'overall strategic issues'

NEW DELHI ,Agency: Home minister Amit Shah is heading an informal Group of Ministers (GoM) dealing with "overall strategic issues" that have emerged because of the ongoing conflict in West Asia, including fall in supply of cooking gas and LNG, the primary feedstock for urea production.Shah has already held a meeting with other ministers, including fertiliser minister JP Nadda and external affairs minister S Jaishankar, to assess the status of fertiliser and petroleum gas supplies.Media has learnt another informal GoM, headed by power and urban affairs minister Manohar Lal, has been set up to deal with matters related to energy supply. The group held a meeting Wednesday where issues related to "piped gas supply to homes" were discussed at length.It was attended by food and renewable energy minister Pralhad Joshi, heavy industries minister HD Kumaraswamy and petroleum minister Hardeep Singh Puri. This is significant since the govt is focussed on shifting more households to PNG use in place of LPG.Chairing the meeting of Cabinet Committee on Security on Saturday, PM Modi had directed that a group of ministers and secretaries be created to work dedicatedly with a whole-of-govt approach.He had also sought sectoral groups to work in consultation with all stakeholders.
On Tuesday, Modi announced the setting up of seven empowered groups of secretaries to deal with different issues arising out of the crisis; some of the groups held their first round of meeting on Wednesday.

Op Urja Suraksha: Navy deploys 5 warships to guide cargo vessels exiting troubled Strait of Hormuz

NEW DELHI ,Agency: Amid the conflict in West Asia, the Indian Navy has "deployed more than five frontline warships under a mission named Operation Urja Suraksha" to ensure safe movement of India-bound cargo ships after they exit the Iran-controlled choke point at the Strait of Hormuz, sources in the defence establishment confirmed to Media.
The operation focuses on securing critical maritime routes and protecting ships carrying essential supplies, such as LPG, LNG and crude oil, to India. Currently, there are 20 India-bound cargo vessels that are stranded near the Strait due to the conflict.
"Once an India-bound cargo vessel clears the Strait, the Navy's warships in the Gulf of Oman escort and guide the vessel out of the troubled zone towards the Arabian Sea," a source in DG Shipping told Media.
Senior risk analyst Martin Kelly, head of advisory at EOS Risk Group, a security firm based in the Gulf, said, "It seems that Iran is allowing select vessels to transit Hormuz after verification which takes place during the ships' transit inside Iranian waters."
The Navy remains in constant contact with the India-bound cargo vessels preparing to exit the Persian Gulf. Once a cargo vessel moves out of the choke-point - with Iran's consent - Indian Navy destroyers and frigates take over, escorting them out of the danger zone through a layered-security arrangement.
This effort is being supported by an increased Indian naval presence in the Gulf of Oman, where adequate warships come in handy for the escort missions.
According to media reports, US Intelligence agencies have alleged that Iran has deployed underwater mines in and around the Strait. These mines, capable of causing severe damage, put navigating vessels in danger. By directing Indian-flagged vessels along carefully-identified safe routes, the Navy helps the crew, who are mostly Indians, of the vessels chart a safe navigation path towards the Arabian Sea.The mission has already achieved key successes, with LPG carriers Pine Gas and Jag Vasant safely passing through the Strait under naval protection.

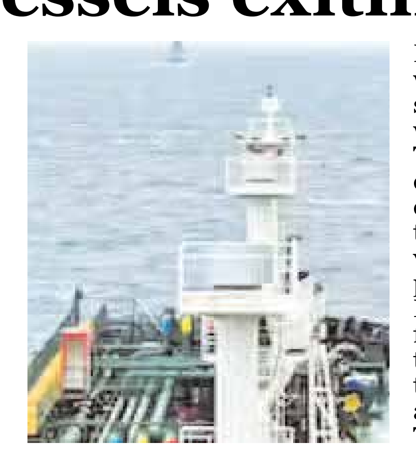

PM Narendra Modi has once again topped global popularity charts

NEW DELHI ,Agency: PM Narendra Modi has once again topped global popularity charts, securing 68% approval rating in the latest Morning Consult survey, reaffirming his position as the world's most popular democratic leader.The US-based data analytics firm said 26% of respondents disapproved of Modi's leadership, while 6% remained undecided. The ratings are based on a trailing seven-day simple moving average of public opinion among adults in each country surveyed.Modi continued to lead by a clear margin over his global peers. Switzerland's Guy Parmelin followed with 62% approval rating, while South Korean President Lee Jae-myung ranked third with a similar approval level but higher disapproval.